सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 277 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 20 जुलाई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

अबूझमाड़ एनकाउंटर : शव-हथियारों का जखीरा लेकर लौटी फोर्स, डीवीसीएम कमांडर राहुल पुनेम भी ढेर

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर अबूझमाड़ इलाके में शुक्रवार को हुई थी मुठभेड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर अबूझमाड़ इलाके में शुक्रवार को हुई मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बल नक्सलियों के शवों को लेकर शनिवार को जिला मुख्यालय लौट आए है। मारे गए सभी नक्सलियों की शिनाख्त हो चुकी है। सभी नक्सली प्लाटून नम्बर 1 के हैं और इन नक्सलियों पर कुल 48 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। मुठभेड़ नक्सलियों का बड़ा लीडर डीवीसीएम कमांडर राहुल पुनेम भी मारा गया। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने शनिवार को पूरे ऑपरेश की विस्तृत जानकारी दी।

बता दें अबूझमाड़ इलाके में शीर्ष नक्सलियों के उपस्थिति की सूचना पर शुक्रवार को कोंडागांव, कांकेर, नारायणपुर, बस्तर जिले की डीआरजी, एसटीएफ बीएसएफ की संयुक्त टुकड़ियां रवाना हुई थी। अबूझमाड़ इलाके में दोपहर नक्सली एव सुरक्षा बलों की मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ में जवानों ने 3 महिला समेत 6 नक्सलियों को ढेर कर दिया। घटना स्थल पर 1 एके 47 रायफल, 1 एसएलआर रायफल, 2 नग बीजीएल लांचर, 12 बोर बंदूक , बड़ी मात्रा में बीजीएल सेल, वाकी टॉकी, एके 47 के कारतूस, एसएलआर कारतूस, विस्फोटक सामग्री सहित दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद किए गए थे।

मुठभेड़ को लेकर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों को अबूझमाड़ क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद सुरक्षाबलों की संयुक्त टीमों ने इलाके में सर्चिंग ऑपरेशन शुरू किया। दिन भर रुक-रुक कर फायरिंग चलती रही, और सुरक्षाबलों ने इलाके को चारों ओर से घेरते हुए नक्सलियों पर शिकंजा कस दिया। मुठभेड़ में ढेर किए गए नक्सलियों के शवों को जिला मुख्यालय लाया गया है। सभी जवान सकुशल वापस लौट आए हैं।

बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट में नाबालिग जख्मी, पैर में आई गंभीर चोट, जवानों को नुकसान पहुंचाने नक्सलियों ने लगाया

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से 16 साल का एक नाबालिग बुरी तरह जख्मी हो गया है। घायल को अस्पताल लाया गया है। बताया जा रहा है कि, नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने के मंसूबे से ढ्ढश्वष्ठ प्लांट कर रखा था। जिसकी चपेट में नाबालिग आ गया। मामला भोपालपट्टनम थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, जिले के कोंडापगडू गांव का रहने वाला नाबालिग कृष्णा गोटा गाय चराने के लिए जंगल गया था। उस इलाके में नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए पहले से ही बम दबा रखा था। वहीं, प्रेशर ढ्ढश्वष्ठ में नाबालिग का पैर आ गया। जिससे जोर का धमाका हुआ। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। धमाके की आवाज सुनकर गांव के लोग भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने नाबालिग को पहले गांव लाया। इसकी जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि उसकी स्थिति गंभीर है।

खास-खबर

छत्तीसगढ़ के दक्षिण भागों में जमकर बरसेंगे बदरा, इन इलाकों में आज झमाझम बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अधिकतर जिलों में आज रविवार को भारी होने की संभावना है। कई जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना है। अगले पांच दिनों तक दक्षिण भागों में बारिश की तीव्रता बढ़ सकती है। साथ ही कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। राजधानी रायपुर में रात में झमाझम बारिश हुई है। वहीं प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश की स्थिति बनी हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार, एक कम दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम मध्यप्रदेश और उससे लगे दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश पर बना हुआ है। इसके उत्तर-पश्चिम मध्यप्रदेश और पूर्वी राजस्थान से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ने और अगले 24 घंटे के दौरान धीरे-धीरे कमजोर होकर एक सुस्पष्ट निनम दबाव का क्षेत्र में परिवर्तित होने की संभावना है। दूसरी ओर मानसून द्रोणिका औसत समुद्र तल पर राजस्थान से डाल्टनगंज होते हुए उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी जा रही है। मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि आज रविवार को प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। साथ ही एक दो जगहों पर भारी बारिश के साथ मेघगर्जन की संभावना है। अगले 5 दिन तक दक्षिण छत्तीसगढ़ में बारिश की तीव्रता बढ़ने की संभावना है। वहीं एक दो स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है। शुक्रवार को प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान राजनांदगांव में रहा। यहां 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस पेण्ड्रा रोड में दर्ज किया गया।

जशपुर पुलिस रखेगी बाहरी लोगों की जानकारी:सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय

जशपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में आंतरिक सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने की दिशा में रायपुर पुलिस मुख्यालय ने टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-233-1905 जारी किया है। जशपुर जिले में यह हेल्पलाइन अवैध रूप से रहने वाले प्रवासी और संदिग्ध विदेशी नागरिकों के संबंध में आम लोगों से सूचना देने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

इस टोल फ्री नंबर पर कोई भी नागरिक नि:शुल्क कॉल कर पुलिस को इस प्रकार के संदिग्ध व्यक्तियों, उनके ठिकानों या गतिविधियों की जानकारी दे सकता है। यह पहल राज्य में अवैध प्रवास और संभावित आतंरिक खतरे को रोकने के लिए एक सराहनीय प्रयास माना जा रहा है। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि, राज्य सरकार और पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर यह टोल फ्री नंबर जारी किया गया। यह नंबर 24 घंटे कार्यरत रहेगा। आम नागरिक इसमें सहभागिता निभाते हुए यदि किसी संदिग्ध व्यक्ति या समूह की जानकारी देता है, तो उस पर हम तुरंत कार्रवाई करेंगे और उसकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। यह टोल फ्री नंबर पूरे राज्य में सक्रिय रहेगा और इससे प्राप्त सूचनाओं पर संबंधित जिलों की पुलिस तुरंत कार्रवाई करेगी। पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में सभी जिलों को निर्देशित कर आवश्यक सतर्कता और सूचना एकत्रीकरण की रणनीति तय की है।

23-24 जुलाई को ब्रिटेन के दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी मालदीव के आजादी महोत्सव में भी होंगे शामिल

■ प्रधानमंत्री मोदी की ब्रिटेन की चौथी आधिकारिक यात्रा

नईदिल्ली। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23-24 जुलाई को ब्रिटेन के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी की ब्रिटेन की चौथी आधिकारिक यात्रा होगी। यह प्रधानमंत्री मोदी की चौथी ब्रिटेन यात्रा होगी। ब्रिटेन के बाद पीएम मोदी मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे, जो 25-26 जुलाई, 2025 तक होगी। प्रधानमंत्री मोदी मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मोइजु के आमंत्रण पर मालदीव जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की यह मालदीव की तीसरी यात्रा होगी। पीएम मोदी की यह मालदीव यात्रा, मालदीव में राष्ट्रपति मोइजु के सत्ता संभालने के बाद पहली बार किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष का दौरा होगा।

ब्रिटेन दौरे पर पीएम मोदी विभिन्न मुद्दों पर प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से चर्चा करेंगे। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी दोनों नेताओं के बीच बात होगी। प्रधानमंत्री मोदी, ब्रिटेन दौरे पर किंग चार्ल्स से भी मुलाकात कर सकते हैं। दोनों देश व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर भी चर्चा करेंगे और इसमें व्यापार, अर्थव्यवस्था, तकनीक, अविष्कार, सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों को लोगों से संबंधों को बेहतर बनाने पर चर्चा होगी।

मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में होंगे मुख्य अतिथि

प्रधानमंत्री मोदी 26 जुलाई को मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। पीएम मोदी, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइजु के साथ विभिन्न मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा भी करेंगे। दोनों नेता भारत-मालदीव के बीच संयुक्त आर्थिक और मेरीटाइम सुरक्षा समझौते पर प्रगति की भी समीक्षा करेंगे। अक्तूबर 2024 में जब मोहम्मद मोइजु ने भारत का दौरा किया था, उस समय दोनों देशों के बीच इस समझौते पर सहमति बनी थी।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने की पीएम मोदी से मुलाकात

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर पहुंचकर शिष्टाचार भेंट की है। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जय प्रकाश नड्डा से नई दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर पहुंचकर मुलाकात की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मुलाकात के लिए पार्टी के दोनों ही शीर्ष नेताओं का आभार जताया है।

सीएम साय के प्रयास से कोतबा पीएचसी के लिए 56 पदों की मिली स्वीकृति

■ अस्पताल अधीक्षक, सर्जन, मेडिकल विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य पदों को शीघ्र भरा जाएगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जशपुर जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। पत्थलगांव विकास खंड के कोतबा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को उन्नयन करके सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया गया है।

मुख्यमंत्री ने कोतबा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण करने के लिए 4 करोड़ 37 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति भी दे दी है। कोतबा में लोगों तक बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 56 पद स्वीकृत किए हैं। इनमें अस्पताल अधीक्षक, सर्जन, मेडिकल विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, दंत विशेषज्ञ, चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग सिस्टर, लैब टेक्नीशियन, ओटी टेक्नीशियन, स्टाप नर्स, लेखापाल, फार्मासिस्ट, सहायक ग्रेड 3, ड्रेसर, वार्ड बॉय, आया और भृतय के पद स्वीकृत किया गया है। शीघ्र ही उनकी पदस्थापना की जाएगी जिसमें लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराया जा सके।

विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को राज्यपाल का निर्देश, जिस कोर्स में छात्र नहीं- उन्हें कर दें बंद

■ राजभवन में हुई बैठक, विश्वविद्यालयों के कुलपति रहे मौजूद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल और विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति रमेन डेका ने शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए कुलपतियों से दो माह के भीतर रोडमैप मांगा है। उन्होंने शनिवार को राजभवन में कुलपतियों के साथ बैठक में विचार-विमर्श कर छात्रों के हित के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। राज्यपाल ने कुलपतियों को निर्देशित किया है कि जिस कोर्स में छात्र और शिक्षक नहीं है, उन्हें बंद किया जाएं।

उन्होंने निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से कहा कि वे मैनेंजमेंट के साथ बैठक कर गुणवत्ता सुधार की कार्ययोजना बनाकर सितम्बर माह में उपलब्ध कराएं। उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मापदंडों एवं नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ.एस भारती दासन व विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति से उपस्थित थे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि शासकीय और निजी विश्वविद्यालयों के लिए पोर्टल बनाया जाएगा जिसमें एडमिशन से लेकर हर गतिविधियों को विश्वविद्यालय अपलोड करेंगे। उन्होंने कहा कि जो विश्वविद्यालय नेक ग्रेडिंग के लिए पात्र हो चुके है वे अनिवार्य रूप से ग्रेडिंग की प्रक्रिया में शामिल हों। श्री डेका ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में विद्यार्थी को भी जागरूक किया जाए।

मंत्री लखनलाल देवांगन ने 10 परिवारों को दिए सहायता राशि का चेक

रायपुर। कोरबा विधानसभा अंतर्गत दर्री के कलमीडुग्गु, प्रगतिनगर के 10 लोगों की फरवरी माह में कुम्भ यात्रा के दौरान सड़क हादसे में दु:खद निधन हो गया था। सभी शोक संतृप्त परिवार को वाणिज्य उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने 1-1 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की थी। मंत्री श्री देवांगन ने आज कोहड़िया, कोरबा निवास कार्यालय में सभी 10 परिवार को 1-1 लाख की सहायता राशि का चेक वितरण किया। उन्होंने इसके लिए सवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का बहुत बहुत आभार व्यक्त किया। इस दौरान पार्षद राधा महंत जी, पार्षद श्री मुकुंद सिंह कंवर जी भी उपस्थित रहे।

140 वोट और 200 करोड़ रुपए

श्रीकंचनपथ

क्या आप यकीन कर सकते हैं कि चुनाव में सिर्फ 200 वोट पाने वाली पार्टी ने चंदे में 200 करोड़ रुपए की कमाई की होगी। आश्चर्य हो सकता है पर यह सच है। देश में ऐसी कुल 2764 राजनीतिक पार्टियां हैं जिनमें से कईयों का तो पंजीयन तक नहीं है। अधिकांश दलों की मान्यता तक नहीं है। पर पार्टियां बन रही हैं, करोड़ों रुपए का चंदा इकट्ठा किया जा रहा है। इसी को कहते हैं दमदारी। मान्यता, लाइसेंस जैसी बातें डरपोंक सभ्य लोगों के लिए होती हैं। जिनमें दम होता है, वो इन बातों की ज्यादा परवाह नहीं करते। दरअसल, अधिकांश नई पार्टियों को खड़ा करने वाले किसी न किसी बड़े राजनीतिक दल के पुराने नेता होते हैं। इसलिए उनका रसूख और सम्पर्क अच्छा होता है। वो बात की बात में धन इकट्ठा कर लेते हैं। बातों के बादशाह तो वो होते ही हैं जिससे लोगों को लगने लगता है कि यह चना जरूर भाड़ फोड़ेगा। इसलिए वो सहयोग भी करते हैं। वैसे भी राजनीतिक दलों को चंदा वही देते हैं जिनके पेट में दाढ़ी होती है। अर्थात उनका धंधा ऐसा होता है कि अगर चंदा न दें तो उनके लिए मुश्किलें खड़ी की जा सकती हैं, उन्हें बंद कराए जाने की नौबत तक आ सकती है। फिलहाल जो आंकड़े सामने हैं वो एसोसिएशन फॉर डेमोक्रैटिक रिफॉर्म्स ने उपलब्ध कराए हैं। इस शोध संस्था के मुताबिक गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों की आय 223 प्रतिशत बढ़ी है। अकेले गुजरात की 5 गैर मान्यताप्राप्त पार्टियों को 2316 करोड़ रुपए चंदा मिला है। इन पार्टियों ने बीते 5 सालों में 3 चुनावों में केवल 22,000 वोट हासिल किए थे। इन दलों ने 2019-2024 के बीच दो लोकसभा और एक विधानसभा चुनाव में कुल 17 उम्मीदवार खड़े किए, लेकिन कोई जीत दर्ज नहीं की। रिपोर्ट के मुताबिक देश में ऐसी 2764 पार्टियां हैं, इनमें से 73 फीसदी से अधिक ने तो वित्तीय रिकॉर्ड कभी सार्वजनिक नहीं किया। जिन 739 दलों (26.74 प्रतिशत) ने आय व्यय का ब्यौरा नहीं दिया उनमें यूपी के 71, दिल्ली के 168, तमिलनाडु के 180, महाराष्ट्र के 161, बिहार के 117, आंध्रप्रदेश के 89, मध्यप्रदेश के 65, हरियाणा के 77, गुजरात के 59, कर्नाटक के 56, पंजाब के 73, उत्तराखंड के 40 और गोवा के 12 दल शामिल हैं। वैसे भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनावी चंदा एक बड़ा विषय है। इस मुद्दे पर देश की दो सबसे बड़ी पार्टियां एक दूसरे पर हमलावर रही हैं। एडीआर की ही रिपोर्ट के अनुसार भाजपा को 2064 करोड़ रुपए का कारपोरेट चुनावी चंदा एक नंबर में मिला जबकि यही राशि कांग्रेस के लिए केवल 190 करोड़ रही। राजनीति केवल देश सेवा के लिए नहीं की जाती। इसलिए पार्टियां एक दूसरे के आर्थिक स्रोतों पर हमला करती रहती हैं। जो सत्ता में होता है उसके पास इस काम के लिए एजेंसियां भी होती हैं। इनका खूब इस्तेमाल भी हो रहा है।

संपादकीय

न्यायमित्रों की भूमिका सशक्त करने की जरूरत

भारत में जनहित याचिका प्रणाली सार्वजनिक न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण रही है। हालांकि, इसकी प्रभावशीलता बढ़ाने और दुरुपयोग को कम करने के लिए लगातार सुधार की आवश्यकता है। इन सुधारों में से एक है एमिकस क्यूरी (न्यायालय मित्र) की भूमिका को और मजबूत करना। यह न केवल जनहित याचिका की गुणवत्ता में सुधार करेगा, बल्कि न्याय वितरण प्रणाली में भी दक्षता लाएगा। जनहित याचिकाएं भारतीय न्यायपालिका का एक महत्वपूर्ण उपकरण रही हैं, जिन्होंने हाशिए पर पड़े लोगों को आवाज देने और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि, हाल के वर्षों में इनकी गुणवत्ता और दुरुपयोग को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं।

> **कई जनहित याचिकाओं में विभिन्न हितधारकों के जटिल और परस्पर विरोधी हित शामिल होते हैं। एमिकस क्यूरी इन सभी दृष्टिकोणों को ध्यान में रखते हुए अदालत को एक संतुलित और न्यायसंगत समाधान तक पहुंचने में सहायता करते हैं।**

एमिकस क्यूरी, जिसका शाब्दिक अर्थ 'अदालत का मित्र' है, वह व्यक्ति या संस्था होती है जो किसी मामले में पक्षकार न होते हुए भी अदालत को कानूनी या तथ्यात्मक जानकारी प्रदान करती है। इनकी विशेषज्ञता अदालत को जटिल मुद्दों को समझने और निष्पक्ष निर्णय लेने में मदद करती है। जनहित याचिकाओं के संदर्भ में, जहां अक्सर व्यापक सामाजिक, आर्थिक या पर्यावरणीय मुद्दे शामिल होते हैं, एमिकस क्यूरी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। न्यायमित्र की भूमिका को भारतीय न्यायपालिका में एक 'शांत क्रांति' के रूप में देखा जा सकता है। कानूनी रूप से, न्यायमित्र की नियुक्ति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत सर्वोच्च न्यायालय और अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालयों की अंतर्निहित शक्तियों के दायरे में आती है। ये अनुच्छेद अदालतों को पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक आदेश पारित करने की शक्ति देते हैं। दरअसल, जनहित याचिका ऐसे जटिल मुद्दों से संबंधित होती हैं जिनके लिए विशिष्ट वैज्ञानिक, तकनीकी या सामाजिक-आर्थिक विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है, जो अदालतों के पास हमेशा नहीं होती। ऐसे में, संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को एमिकस क्यूरी के रूप में नियुक्त करने से अदालत को मामले की गहराई और बारीकियों को समझने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त, जनहित याचिका में प्रस्तुत तथ्य कभी-कभी अपर्याप्त या एकतरफा हो सकते हैं। एमिकस क्यूरी स्वतंत्र रूप से तथ्यों की गहन जांच कर सकते हैं, अतिरिक्त जानकारी जुटा सकते हैं, और अदालत के सामने एक निष्पक्ष और संपूर्ण तस्वीर प्रस्तुत कर सकते हैं।

कई जनहित याचिकाओं में विभिन्न हितधारकों के जटिल और परस्पर विरोधी हित शामिल होते हैं। एमिकस क्यूरी इन सभी दृष्टिकोणों को ध्यान में रखते हुए अदालत को एक संतुलित और न्यायसंगत समाधान तक पहुंचने में सहायता करते हैं। एमिकस क्यूरी द्वारा प्रदान की गई स्पष्ट और सटीक जानकारी अनावश्यक बहस और समय की बर्बादी को कम करके मामलों के शीघ्र निपटारे में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है, जिससे न्याय वितरण प्रणाली में दक्षता आती है।

ताजमहल संरक्षण मामले में एम.सी. मेहता की भूमिका एक सशक्त एमिकस क्यूरी का उत्कृष्ट उदाहरण है। 1980 के दशक में, सुप्रीम कोर्ट ने मेहता को ताजमहल को प्रदूषण से बचाने वाली जनहित याचिका में एमिकस क्यूरी नियुक्त किया। उनके व्यापक शोध और विस्तृत रिपोर्टों के आधार पर, सुप्रीम कोर्ट ने उद्योगों को स्थानांतरित करने और प्रदूषण नियंत्रण उपायों को लागू करने जैसे ऐतिहासिक निर्देश दिए। इस बाबत हम कुछ अन्य देशों से प्रेरणा ले सकते हैं जहां यह व्यवस्था अधिक विकसित और व्यवस्थित है। भारत में, जनहित याचिका मुख्य रूप से न्यायिक सक्रियता पर केंद्रित रही है, लेकिन कुछ देशों में नागरिक भागीदारी को एक अलग और संगठित तरीके से बढ़ावा दिया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में, एमिकस क्यूरी अक्सर महत्वपूर्ण संवैधानिक या सार्वजनिक हित के मामलों में हस्तक्षेप करते हैं। वे न केवल कानूनी तर्क प्रस्तुत करते हैं, बल्कि संबंधित हितधारकों के दृष्टिकोण और सामाजिक-आर्थिक प्रभावों पर भी व्यापक जानकारी प्रदान करते हैं। उनकी भागीदारी अक्सर कई पक्षकारों द्वारा की जाती है, जो न्यायालय को विभिन्न दृष्टिकोणों से अवगत कराती है। इसके विपरीत, भारत में, एमिकस क्यूरी की भूमिका आमतौर पर एकल व्यक्ति तक सीमित होती है कनाडा में, एमिकस क्यूरी को 'सार्वजनिक हित हस्तक्षेपकर्ता' के रूप में देखा जाता है, जो कानूनी सहायता के साथ-साथ नीतिगत और सामाजिक प्रभावों पर भी प्रकाश डालते हैं, और न्यायालय अक्सर विशेषज्ञ संगठनों को आमंत्रित करता है। ये वैश्विक उदाहरण दर्शाते हैं कि एमिकस क्यूरी की व्यापक और बहुआयामी भूमिका जनहित याचिकाओं की प्रभावशीलता को बढ़ा सकती है। भारत में जनहित याचिका प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए विशेषज्ञता-आधारित पैनल बनाए जा सकते हैं, जिसमें वकील के साथ-साथ वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री और अन्य विशेषज्ञ शामिल हों।

विकास की नई इबारतः धमतरी में बदलते ग्रामीण परिदृश्य की कहानी

दुग्ध उत्पादन में दोहरी छलांगः महिलाएं बनीं सशक्त

शशि रत्न पराशर

धमतरी ज़िला आज छत्तीसगढ़ के प्रगतिशील जिलों में अपनी सशक्त पहचान बना रहा है। कृषि, सिंचाई, पशुपालन, तकनीक, बैंकिंग से लेकर ईको-फ्रेंडली खेती तक, जिले में विकास का पहिया तेज़ी से घूम रहा है। यह बदलाव न सिर्फप्रशासन की योजनाओं का परिणाम है, बल्कि किसानों, पंचायतों और स्थानीय समुदायों की सहभागिता का प्रमाण भी है। विशेष रूप से कलेक्टर अभिनाश मिश्रा की दूरदर्शी सोच और ज़मीनी काम ने जिले में सकारात्मक परिवर्तन को गति दी है। किसानों की सबसे बड़ी ज़रूरत उनकी उपज का सुरक्षित भंडारण और बेहतर विपणन है। इसी सोच के तहत धमतरी की समितियों में नए गोदामों का निर्माण कराया जा रहा है, ताकि किसानों को उपज खराब होने के डर से जल्दबाज़ी में बेचने की मजबूरी से राहत मिले। साथ ही, धमतरी, कुरुद और नगरी की मंडियों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जिससे किसानों को साफ-सुथरा वातावरण, उचित तौल, डिजिटल भुगतान जैसी सुविधाएं मिलेंगी। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और बिचौलियों की भूमिका कम होगी।

कुरुद क्षेत्र के 20 गांवों में 200 किसानों के खेतों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (ढ्ढश्वञ्ज) तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। ये तकनीकें मिट्टी की नमी, तापमान, फसल की वृद्धि और कीट नियंत्रण की रियल टाइम जानकारी प्रदान करती हैं। इसके अलावा, 5 पंचायतों में मौसम केंद्र (वेदर स्टेशन) लगाए जा रहे हैं जो किसानों को मौसम के पूर्वानुमान उपलब्ध कराएंगे। यह एक पायलट प्रोजेक्ट है, और इसकी सफलता के बाद इसे पूरे जिले में लागू किया जाएगा। यह भविष्य की स्मार्ट खेती की नींव रख रहा है।

नगरी क्षेत्र में 4000 नारियल के पौधों का रोपण किया गया है और एक नारियल नर्सरी की स्थापना की जा रही है, जो लंबी अवधि में किसानों की आय बढ़ाने में मदद करेगी। यह न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर है, बल्कि महानदी के तटीय क्षेत्र में हरित पट्टी के विकास से पारिस्थितिकी तंत्र : सुदृढ़ होगा और स्थानीय समुदायों की आजीविका के नए द्वार खुलेंगे। शासन का उद्देश्य आने वाले समय में इस अभियान को और भी व्यापक स्तर पर विस्तार देना है, जिससे महानदी सदैव स्वच्छ, समृद्ध और संजीवनी बनी रहे। वहीं दूसरी ओर, औषधीय पौधों की खेती को 200 एकड़ में बढ़ावा दिया गया है। इस योजना में बाय-बैक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे किसान अपनी उपज की बिक्री को लेकर आश्वस्त रहेंगे।

तालाबों और डुबान क्षेत्रों में मखाना की खेती को भी प्रोत्साहन मिल रहा है, जिसे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। यह खासतौर पर मछुआरा समुदाय के लिए नए रोज़गार और आय का स्रोत बन रहा है। जहां-जहां अब तक सिंचाई की सुविधाएं नहीं पहुंची थीं, वहां सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं की शुरुआत की जा रही है। ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसे आधुनिक सिंचाई उपकरण जल की बचत के साथ-साथ अधिक उत्पादन की गारंटी देते हैं। इसके साथ ही, आमदी क्षेत्र में सहकारी बैंक शाखा खोलने का प्रस्ताव भेजा गया है। यह ग्रामीणों को उनके गांव में ही बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराएगा, जिससे कृषि ऋण, सब्सिडी और बचत योजनाओं तक उनकी सीधी पहुंच बन सकेगी।

दुग्ध उत्पादन में दोहरी वृद्धि सफल मॉडल की मिसाल

धमतरी में दूध संग्रहण की शुरुआत में प्रतिदिन 6000 लीटर दूध एकत्र होता था, जो अब मात्र तीन महीनों में बढ़कर 12000 लीटर प्रतिदिन हो गया है। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था में जबरदस्त सुधार का संकेतक है। 12 नई दुग्ध समितियां खोली जा रही हैं, जिनमें से 6 नगरी क्षेत्र में स्थापित होंगी। इससे पशुपालन से जुड़े परिवारों को स्थायी आय और महिला स्वावलंबन को बढ़ावा मिलेगा।

कलेक्टर की पहल, जनभागीदारी की ताकत

इन सभी पहलों के केंद्र में कलेक्टर श्री अभिनाश मिश्रा की पहल, निरीक्षण और निगरानी प्रमुख भूमिका निभा रही है। वे लगातार फील्ड में जाकर योजनाओं का मूल्यांकन कर रहे हैं और स्थानीय लोगों से संवाद बनाकर काम को व्यवहारिक रूप में लागू करवा रहे हैं। चाहे वह नारियल नर्सरी हो, एआई आधारित खेत हो या मखाना तालाब ङ्क हर योजना में उनकी सक्रियता दिखाई देती है।

ग्रामीण विकास का एक आदर्श मॉडल

धमतरी ज़िला अब केवल परंपरागत खेती पर निर्भर नहीं है, बल्कि तकनीक, विविधता, योजनाबद्ध सिंचाई और बैंकिंग जैसी सुविधाओं के साथ एक समग्र ग्रामीण विकास मॉडल के रूप में उभर रहा है। यह बदलाव स्थायी, सहभागी और पर्यावरणीय दृष्टि से भी संतुलित है।

यहां का किसान अब आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, और इसके पीछे है एक दूरदर्शी प्रशासन, जो सिर्फ योजनाएं नहीं बनाता, बल्कि ज़मीन पर क्रियान्वयन भी सुनिश्चित करता है। धमतरी का यह विकास एक सकारात्मक संदेश है कि अगर इच्छाशक्ति और सहभागिता हो, तो ग्रामीण भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है।

नरहरा जलप्रपात को बढ़ावा : स्थानीय युवाओं को टूरिस्ट गाइड के रूप में प्रशिक्षित करने की पहल

धमतरी जिले में पर्यटन की दृष्टि से बहुत कुछ है । जैसे गंगरेल डैम, माड़मसिल्ली डैम ङ्क एशिया के सबसे पुराने मिट्टी के बांधों में से एक, दुधावा डैम, महानदी उद्गम स्थल ङ्क भौगोलिक और ऐतिहासिक महत्व का स्थल सप्तऋषि पर्वत ङ्क पौराणिक महत्व एवं प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण आदि अब नरहरा जलप्रपात पर्यटन स्थल को बढ़ावा दिया जा रहा है । यहाँ गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु स्थानीय युवाओं को टूरिस्ट गाइड के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। इससे न केवल स्थानीय बेरोजगारों को स्वरोजगार का अवसर मिलेगा बल्कि पर्यटकों को भी व्यवस्थित एवं जानकारीपूर्ण अनुभव प्राप्त होगा

नरहरा जलप्रपात का समग्र विकास जिले के पर्यटन मानचित्र को मजबूती देगा। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। धमतरी। नरहरा में मचान हॉट बनाया गया, जिससे जलप्रपात एरिया देख सकेंगे। जिला प्रशासन ने पर्यटन को बढ़ावा देने ?5 लाख खर्च किए एडवेंचर टूरिज्म की शुरुआत हुई। रोप-वे, ट्रैकिंग किट और झूलों का बच्चें खूब आनंद ले रहे ।

अंधविास की भट्टी में झुलसती मानवता

अवनीश कुमार गुप्ता

वही क्षण था जब चंद्रयान-3 ने चांद की सतह पर भारत का झंडा स्थापित कर विज्ञान की नई ऊंचाइयों को छू लिया, लेकिन उसी समय भारत के ही एक गांव में कुछ लोगों ने एक परिवार के पांच सदस्यों को 'डायन' कह कर जिंदा जला दिया। ये दो घटनाएं किसी कल्पना की उपज नहीं, बल्कि हमारे समय और समाज की दो परस्पर विरोधी सच्चाइयों का आईना हैं। एक ओर अंतरिक्ष में विजय तो दूसरी ओर अंधविास की भट्टी में झुलसती मानवता।

बिहार के पूर्णिया जिले के टेटगामा गांव में तीन महिलाओं और दो पुरु षों को 'डायन' बता कर पीटा गया और पेट्रोल छिड़क कर जिंदा जला दिया गया। इस अमानवीय कृत्य में लगभग 150 लोगों की भीड़ शामिल थी। यह केवल हत्या नहीं, बल्कि उस तार्किक चेतना की हार थी जो हमारी संस्कृति और संविधान, दोनों में प्रतिष्ठित है। यह घटना एक गांव या राज्य की समस्या नहीं, उस सोच का परिणाम है जहां विज्ञान का दीपक जलाए बिना ही हम आधुनिक बनने का भ्रम पालते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2000 से 2016 तक बिहार में 2,500 से अधिक डायन-हत्या की घटनाएं हो चुकी हैं। यह आंकड़ा केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि सवाल है कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं?

क्या तकनीक की प्रगति का लाभ चंद महानगरों और उच्च वर्ग तक ही सीमित रहेगा? क्या गांवों तक वैज्ञानिक सोच, संवेदनशीलता और मानवाधिकारों की चेतना पहुंची है? या फिर आधुनिकता मोबाइल और इंटरनेट की सुविधा तक ही सिमट गई है? यह घटना न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि संविधान और कानून की विफलता भी है। जब पूरा गांव एक अमानवीय कृत्य में शामिल हो, और पुलिस-प्रशासन निष्क्रिय बना रहे, तो सवाल उठता है कि लोकतंत्र के स्तंभ क्या चुनावों और भाषणों तक सीमित रह गए हैं? पुलिस की निष्क्रियता और प्रशासन की उदासीनता इस पूरे तंत्र पर गहरी चोट है, जो दिखाती है कि संवैधानिक ढांचे के भीतर भी बहुत सी दरारें हैं, जिन्हें भरने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की नहीं, पूरे समाज की है।

हमारे पूर्वजों की परंपरा में तर्क, विज्ञान और विवेक का बहुत महत्त्व था। आर्यभट्ट, वराहमिहिर, चरक, सुश्रुत जैसे नाम केवल ऐतिहासिक नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिक परंपरा की नींव थे। लेकिन क्या आज उनके विचारों की छाया हमारे गांव-कस्बों तक पहुंची है? किसी महिला के बीमार हो जाने पर भी उसका इलाज अस्पताल में कराने की बजाय उसे डायन कह कर जलाया जाता है, तो इसका मतलब है कि हमारा समाज अतीत के किसी अंधेरे कुएं में जा गिरा है।

मीडिया की भूमिका भी इस पूरे विमर्श में संदिग्ध है। आज की मीडिया सिर्फ सनसनी पर केंद्रत है। घटना की संवेदनशीलता को समझने के बजाय वे इसे टीआरपी की दौड़ में बदल देते हैं। क्या कोई समाचार संस्था बताती है कि इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं? क्या वे समाज को इस ओर मोड़ने का प्रयास कर रहे हैं कि अंधविास, अज्ञानता और पाखंड का समूल नाश हो? नहीं। वे केवल क्लिप बनाते हैं, भावनाएं भड़काते हैं, पर कोई वैचारिक आंदोलन नहीं चलाते। ऐसी घटनाओं में भीड़तंत्र को तो जिम्मेदार ठहराया ही जाना चाहिए लेकिन उससे भी अधिक जिम्मेदार हैं वे संस्थाएं जो समाज को दिशा देने के लिए बनी हैं-शिक्षा संस्थान, धार्मिक संगठन, पंचायतें और प्रशासनिक तंत्र। अगर इन सबकी चुप्पी किसी एक क्रिया को संभव बनाती है, तो वह केवल सह-अपराध नहीं, बल्कि मानसिक अपराध भी है।

टीवी चैनल केवल सास-बहू के ड्रामे दिखाने की बजाय 'डायन प्रथा खत्म करो' जैसे अभियान को प्राथमिकता दें। पंचायतों में हर महीने तर्क आधारित संवाद हों। स्कूलों में छात्रों को परीक्षा की तैयारी नहीं, सामाजिक चेतना का पाठ भी पढ़ाया जाए। सनातन परंपरा का मूल तत्व ही है करु णा, विवेक और ज्ञान। यदि समाज में धर्म के नाम पर ही हिंसा होती है, तो वह धर्म नहीं, अधर्म है। हमें सनातन के उन मूल्यों की पुन- स्थापना करनी होगी जो हर जीव में आत्मा का दर्शन कराते हैं, न कि उसे जला देते हैं। जब चंद्रयान-3 भारत की तकनीकी क्षमता का प्रतीक बन कर चांद पर उतरता है, तो उसके साथ भारत की आत्मा भी आसमान छूने की आकांक्षा करती है।

लेकिन जब किसी गांव में एक महिला को डायन कह कर जिंदा जलाया जाता है, तो वह आत्मा चीत्कार करती है। यह हमारे समय का विरोधाभास है- एक ओर विज्ञान, दूसरी ओर अंधविास; एक ओर अंतरिक्ष में सफलता, दूसरी ओर सामाजिक अधपतन। भारत का भविष्य तभी सुरक्षित होगा जब विज्ञान और विवेक का उजाला हर गांव, घर और मन में पहुंचेगा। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' केवल श्लोक नहीं, सामाजिक अभियान होना चाहिए- अज्ञान से ज्ञान, अंधकार से प्रकाश, हिंसा से करु णा, और भीड़ से विचार की ओर।

बिहार में डोमिसाइल नीति लागू

विधानसभा चुनाव से ऐन पहले महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए बिहार सरकार ने सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण की बात की है। अब तक सभी महिलाओं को मिलने वाले इस आरक्षण पर नीतीश कैबिनेट ने डोमिसाइल नीति लागू की है।४ यह स्थानीय प्रमाणपत्र होता है। राज्य सरकारें इनके आधार पर स्थानीय युवाओं को सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय योजनाओं में प्राथमिकता देती हैं। इसके बाद अन्य राज्यों की महिलाएं भी सामान्य कोटे में आवेदन कर सकेंगी। यह व्यवस्था पहले ही हरियाणा, मप्र, हिप्र, राजस्थान और उत्तराखंड में लागू है। बिहार के युवा अन्य राज्यों की नीति के चलते नुकसान झेलने की बात करते रहे हैं। बैठक में कुल 43 एजेंडों पर मुहर लगी जिनमें युवा आयोग और दिव्यांगजन सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना भी है। दिव्यांगों को प्रोत्साहित करने तथा पुरुष दिव्यांग अभ्यर्थियों को पिछड़ा, सामान्य और आर्थिक तौर पर कमजोर युवाओं के लिए यह योजना है। बिहार में 60 प्रतिशत जातीय-आर्थिक आरक्षण पहले से ही लागू है। 35 प्रतिशत मूल बिहारी महिलाओं के इस आरक्षण के बाद यह बढ़ कर 74 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा जिसका सीधा असर अनारक्षित वर्ग पर पड़ेगा जिसके लिए बस 14 प्रतिशत सीटें ही बचेंगी। वर्तमान में राज्य में 18 प्रतिशत अतिपिछड़ा, 12 प्रतिशत अन्य पिछड़ा, 16 प्रतिशत एससी, एक प्रतिशत एसटी और ओबीसी महिलाओं का 3त्न आरक्षण लागू है।

आतंकी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकी का उपयोग चिंतजनक

ललित गर्ग

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को घोर चिंतजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मो के माध्यम से आतंकी गतिविधियों के वित्त पोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है, बल्कि गंभीर चिंता भी जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नॉलजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पोषित आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुंच के नये मार्ग भी तलाश रहे हैं। अब आतंकी संगठन विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर भी बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना, संचालन करना।

भारत ने समय-समय पर पाकिस्तान पोषित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिंता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाला महत्त्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हमले में पैसों के लेन देन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनैशनल थर्ड पार्टी ट्रांजैक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद मिली थी।

वीपीएन डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता की लोकेशन और पहचान छुपाती है। 2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूजर्स थे। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं। भारत वीपीएन यूजर्स की संख्या में दुनिया के शीर्ष 3 देशों में शामिल है। वीपीएन का उपयोग कर आतंकी सोशल मीडिया और गुप्त चैनलों के जरिए युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते हैं।ूकुछ आतंकवादी समूह वीपीएन नेटवर्क का प्रयोग कर सरकारी वेबसाइटों, रक्षा प्रतिष्ठानों और बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमले करते हैं।

दुनिया की एक तिहाई आबादी ऑनलाइन शॉपिंग करती है। इस साल ग्लोबल ई-कॉमर्स मार्केट के 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। भारत इस लिस्ट में फिलहाल सातवें नंबर पर है लेकिन सवाल है कि इस डेटा के बीच अगर कुछ संदिग्ध लोग कुछ हजार डॉलर की खरीददारी करते हैं, जिसका इस्तेमाल आगे जाकर किसी आतंकी हमले में होता है, तो उसे चिह्नित कैसे किया जाए? एफएटीएफ ने कुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकियों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। वे इंटरनेट की दुनिया की ओट ले रहे हैं, जो ज्यादा खतरनाक है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूहों ने पारंपरिक धन स्रेतों के साथ क्रिप्टोकरेंसी जैसे डिजिटल वित्तीय माध्यमों का भी उपयोग कर रहे हैं। पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर भले हो गया हो लेकिन उसके खिलाफ आरोपों में कोई कमी नहीं आई है। अनेक ग्लोबल इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स और एफएटीएफ ऑब्जर्वेशंस इस बात की पुष्टि करती हैं कि पाकिस्तान में आतंकी गुटों को डिजिटल इकोसिस्टम का खुले तौर पर उपयोग करने दिया जा रहा है, या कभी-कभी सरकार की मौन सहमति से। उदाहरण के रूप में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने बिटकॉइन और अन्य डिजिटल टोकन के जरिए फंड जुटाने की नई तरकीबें अपनाई हैं।

कई मामलों में आतंकी फंडिंग के लिए फर्जी चैरिटेबल ट्रस्ट और सामाजिक मीडिया अभियानों का सहारा लिया गया है। 'गजवा-ए-हिंद' जैसे डिजिटल प्रोपेगेंडा प्लेटफॉर्म्स पाकिस्तानी जमीन से संचालित होकर भारत में कट्टरपंथ को बढ़ावा देने में लगे हैं। डिजिटल तकनीक ने जहां मानव जीवन को सरल और तेज किया है, वहीं इसका दुरुपयोग करके आतंकवाद को नया चेहरा देने की कोशिशें चिंता का विषय है। एफएटीएफ फएटीएफ की चेतावनी को गंभीरता से लेने और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाना होगा ताकि वे अपनी धरती पर पनप रहे आतंकवाद एवं डिजिटल आतंकवाद के अड्डों को समाप्त करें। तभी एक सुरक्षित डिजिटल वि और शांतिपूर्ण वैश्विक समाज की कल्पना की जा सकती है।

एफएटीएफ रिपोर्ट विश्लेषण करती है कि आतंकवादियों ने अपने उद्देश्यों के लिए वैश्विक दर्शकों से धन जुटाने के लिए सोशल मीडिया पर धन उगाहने वाले प्लेटफॉर्म और क्राउडफंडिंग से आतंकवाद के वित्त पोषण प्राप्त किया है। आतंकी संगठन पारंपरिक तरीकों के साथ डिजिटल तरीकों से भी धन जुटाकर आतंक को अंजाम दे रहे हैं। भारत ने एफएटीएफ रिपोर्ट को अपने रुख के समर्थन में महत्त्वपूर्ण कदम बताया है, जिसमें पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों पर कार्रवाई की मांग की गई है। यह रिपोर्ट आतंकवाद के वित्त पोषण और संचालन में शामिल देशों और व्यक्तियों पर दबाव बढ़ाने और आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए नीतियों और रणनीतियों को विकसित करने में सहायक हो सकती है।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें

Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

चेहरे पर गंभीर चोट का जिला चिकित्सालय में हुआ सफल ऑपरेशन

दुर्ग। मोटर सायकल दुर्घटना के मरीज को चेहरे की हड्डियों में गंभीर और जटिल चोट आयी थी, जिसके कारण मरीज का जबड़ा पूरी तरह से बिगड़ चुका था और गाल की हड्डी के कई टुकड़ा हो गए थे। ऐसे में सांस की नली में छेद करके मरीज की सांसे बचायी जा सकती थी। एनेस्थेटिक डॉ. संजय वालवेन्द्रें विभागाध्यक्ष व डेंटल सर्जन डॉ. कामिनी डड़सेना द्वारा आपसी निष्कर्षण से सबमेन्टल रेपलेसमेंट का निर्णय लिया गया, इसके बाद सांस की नली को मुंह में डालकर, हड्डी के नीचले गर्दन में छोटा छेद कर स्वांस की नली को निकाला गया और पूरे चेहरे को आसानी से ऑपरेशन किया गया तथा मरीज को सुरक्षित किया गया। सिविल सर्जन डॉ. हेमन्त साहू ने बताया कि इस चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया को सफल बनाने में मेक्सोफेशियल सर्जन डॉ. कामिनी डड़सेना एवं ओ.टी. टीम में एनेस्थिसया विभागध्यक्ष डॉ. संजय वालवेन्द्रे, डॉ. हरी, शायनी चेरियन, शिबेन दानी, नसरीन बेगम, मयुरी वर्मा, दुर्गेश एवं युगल किशोर की अहम भूमिका रही।

ओलावृष्टि और चक्रवाती हवाओं से फसल क्षति पर मिलेगा बीमा लाभ

दुर्ग। विगत कुछ दिनों से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही ओलावृष्टि एवं तेज चक्रवाती हवाओं के चलते उद्यानिकी फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई है। पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अंतर्गत ओलावृष्टि एवं चक्रवाती हवाओं से उद्यानिकी फसलों को होने वाले क्षति के लिए एडऑन कवर के रूप में बीमा कराया जाता है।

उप संचालक उद्यान से प्राप्त जानकारी अनुसार योजनांतर्गत जिन कृषकों द्वारा एडऑन कवर के लिए बीमा कराया गया है, उन्हें ओलावृष्टि एवं चक्रवाती हवाओं से फसल क्षति के 72 घंटे के भीतर स्थानीय उद्यानिकी अधिकारी या बीमा कंपनी को सूचित करना अनिवार्य है। इसके बाद बीमा कंपनी, विभागीय अधिकारी और किसान की संयुक्त समिति द्वारा फसल क्षति का आंकलन किया जाएगा और नियमों के अनुसार दावा राशि का भुगतान किया जाएगा। जिन कृषकों द्वारा एडऑन कवर के लिए बीमा कराया गया है वे क्षति के प्रारंभिक जानकारी बीमा कंपनी के टोल-फ्री नंबर 1800-419-0344 पर अथवा विभागीय अधिकारियों को दे सकते हैं।

जिला अस्पताल को सुविधाओं पर सर्वोच्च स्थान

दुर्ग। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग के सभी 25 जिला अस्पतालों की विभिन्न पैरामीटर के आधार पर उसकी रैंकिंग की गई। इस रिपोर्ट में जिला अस्पताल दुर्ग को प्रदेश में सबसे अच्छा पाया गया। सिविल सर्जन डॉ. हेमंत साहू के अनुसार जरूरी सुविधाओं के आधार पर पैरामीटर निर्धारित किए गए 10 अंक में से दुर्ग जिला चिकित्सालय को 07 अंक प्राप्त कर सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में सर्वोच्च स्थान पर रहा।

भिलाई स्टील प्लांट के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 ने रचा उत्पादन इतिहास, दर्ज किए कई नए कीर्तिमान

एसएमएस-3 ने कच्चे इस्पात के संचयी उत्पादन में पार किया 17 मिलियन टन का महत्वपूर्ण मील का पत्थर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की स्टील मेल्टिंग शॉप-3 (एसएमएस-3) ने उत्पादन, गुणवत्ता और प्रक्रिया अनुशासन के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ दर्ज करते हुए भारतीय इस्पात निर्माण के इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ा है। एसएमएस-3 ने कच्चे इस्पात के संचयी उत्पादन में 17 मिलियन टन का महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर पार कर लिया, जो इसकी निरंतर परिचालन उत्कृष्टता और रणनीतिक प्रक्रिया दक्षता का प्रमाण है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 एसएमएस-3 के लिए अभूतपूर्व सिद्ध हुआ। इस अवधि में शॉप ने अब तक का सर्वोच्च वार्षिक क्रूड स्टील उत्पादन करते हुए 3.57 मिलियन टन उत्पादन दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.8त्न की वृद्धि है। मई 2025 में एसएमएस-3 ने 3.39 लाख टन मासिक क्रूड स्टील उत्पादन कर सेल के इतिहास में मासिक उत्पादन का सर्वोच्च कीर्तिमान स्थापित किया। सेमी-फिनिश्ड स्टील के क्षेत्र में भी एसएमएस-3 ने नई ऊंचाइयां छुईं। वर्ष 2024-25 में 2.36 मिलियन टन बिलेट उत्पादन कर इसने अपने ही पूर्ववर्ती रिकॉर्ड 2.2 मिलियन टन (2023-24) को पीछे छोड़ दिया। ब्लूम उत्पादन भी बढ़कर 1.21 मिलियन टन रहा, जो पिछले वर्ष के 1.11 मिलियन टन से अधिक है। दिसंबर 2024 में 2.35 लाख टन का सर्वश्रेष्ठ मासिक बिलेट उत्पादन दर्ज किया गया, वहीं जनवरी 2025 में 150 मिमी सेक्शन में 1.43 लाख टन का अब तक का सर्वोच्च उत्पादन हुआ। मई 2025 में ब्लूम उत्पादन का नया शिखर 1.35 लाख टन रहा।

कन्वर्टर और लैडल लाइफमें नया कीर्तिमान

परिचालन दक्षता के मानकों को बनाए रखते हुए एसएमएस-3 ने कन्वर्टर और लैडल लाइफ में भी उल्लेखनीय प्रगति की। कन्वर्टर-ए ने 12,718 हीट्स का असाधारण कनवर्टर लाइफ प्राप्त किया है। इसी तरह, लैडल नंबर 21 ने 28 मार्च 2025 को 114 हीट्स का सर्वश्रेष्ठ लैडल लाइफ दर्ज कर उत्कृष्ट रिफ्रैक्ट्री प्रबंधन और प्रोसेस स्टेबिलिटी को दर्शाया।

वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स में भी अग्रणी योगदान

एसएमएस-3 सेल के वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स के पोर्टफोलियो में भी प्रमुख भूमिका निभा रहा है। इनमें सबमर्ज्ड आर्क वेल्डिंग में प्रयुक्त कोर वायर ईएम12के और एसए-12 तथा मैनुअल मेटल आर्क वेल्डिंग इलेक्ट्रोड्स के लिए ईडब्लूएनआर शामिल हैं। इंजीनियरिंग ग्रेड स्टील जैसे ईएन-8 (सी45 के समकक्ष), जिसका 150 मिमी सेक्शन में निर्माण सीवी1 पर होता है, तथा ईएन-19 जिसे दुर्गापुर के एएसपी में प्रोसेस कर ऑटोमोबाइल क्षेत्र में उपयोग किया जाता है, एसएमएस-3 की विविधता को दर्शाते हैं। ईक्यूआर 550डी और सेल एसईक्यूआर 550डी जैसे उच्च शक्ति वाले रिबार निर्माण और रिटेल सेक्टर की मांगों की पूर्ति कर रहे हैं। इसके अलावा, डीगैस्ड 45सी8 सीआर ब्लूम्स का निर्माण भी किया जा रहा है, जो आगे चलकर वीआईएसएल में गियर शाफ्ट जैसे टेंपर्ड स्टील कंपोनेंट्स में रूपांतरित होते हैं।

कास्टिंग मशीनों द्वारा कंटीन्यूअस कास्टिंग में रिकॉर्ड

कंटीन्यूअस कास्टिंग में परिचालन अनुशासन को कायम रखते हुए एसएमएस-3 ने अपनी कास्टिंग मशीनों पर कंटीन्यूअस कास्टिंग के नए कीर्तिमान बनाए। जनवरी 2024 में कास्टर सीके1 (105 मिमी सेक्शन) पर 145 हीट्स का सिक्वेंस दर्ज हुआ। सीके2 (150 मिमी सेक्शन) पर इसी माह 221 हीट्स का रिकॉर्ड बना। वहीं कास्टर सीवी1 (300 मिमी ब्लूम) ने मार्च 2024 में 213 हीट्स और सीवी2 ने जुलाई 2024 में 138 हीट्स का सिक्वेंस प्राप्त किया, जो प्रक्रिया अनुकूलन और निरंतर उत्पादन की मिसाल हैं।

संतुलित योजना, नवाचार और निष्पादन की मिसाल

एसएमएस-3 का यह समग्र प्रदर्शन एक सुव्यवस्थित, योजनाबद्ध और नवाचार-आधारित कार्य संस्कृति का परिणाम है। कन्वर्टर और लैडल जीवन, कास्टिंग सिक्वेंस, उत्पाद विविधता और गुणवत्ता—हर पक्ष सेल की गुणवत्ता के साथ निरंतरता की दृष्टि के अनुरूप है।

शिव महापुराण कथा स्थल का आयुक्त द्वारा किया गया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय द्वारा सिविक सेंटर समीपस्थ जयंती स्टेडियम, शिव महापुराण कथा स्थल का निरीक्षण आयोजन समिति के अध्यक्ष उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह के साथ किया गया है। निगम आयुक्त द्वारा पूरे स्थल का भ्रमण कर कथा स्थल एवं आसपास आवश्यक साफ सफाई, पेयजल, पानी निकासी, शौचालय एवं अन्य व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया है। भ्रमण के दौरान जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, सहायक अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे, आयोजन समिति के सदस्य गण एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

निगम आयुक्त द्वारा खमरिया स्थित सूर्य विहार के पीछे प्रधानमंत्री आवास योजना से निर्मित मकानों में मूलभूत सुविधाओं का सहायक अभियंता दीपक देवांगन के साथ निरीक्षण कर रहवासियों से जानकारी प्राप्त किया गया है। सभी निवासरत संतुष्ट हैं उपस्थित रहवासियों के साथ सभी श्रमदान कर आगामी शनिवार को वृक्षारोपण हेतु तिथि तय किया गया है।

इस्पात नगर, रिसाली में बीएसपी की जमीन से खाली कराए कब्जे

■ अवैध कब्जों पर नगर सेवाएं विभाग की बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के नगर सेवाएं विभाग के प्रवर्तन अनुभाग ने 19 जुलाई, 2025 को इस्पात नगरी, रिसाली में अवैध कब्जा हटाने की कार्यवाही की और जेसीबी मशीनों के माध्यम से स्थाई कब्जे को तोड़ा गया। माननीय संपदा न्यायालय के प्रकरण क्रमांक 867/2025 में आदेश दिनांक 04 जुलाई 2025 के आधार पर यह कार्यवाही की गई।

संदर्भित आदेशानुसार वार्ड नम्बर 29, इस्पात नगर, रिसाली, भिलाई स्थित बी.एस.पी. की भूमि से अवैध कब्जाधारियों के विरूध्द माननीय संपदा न्यायालय द्वारा डिक्री आदेश जारी कर अवैध कब्जाधारियो की बेदखली हेतु निर्देश जारी किया गया था। उक्त आदेश

के क्रियान्वयन करते यह बेदखली कार्यवाही की गई।

माननीय संपदा न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रवर्तन अनुभाग की टीम द्वारा दिनांक 19 जुलाई 2025 को प्रातः 11.30 बजे उक्त भूमि से बेदखली कार्यवाही में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल व सुरक्षाकर्मियों ने सहयोग प्रदान किया, जिनमें नेवई, थाना प्रभारी श्री कमल सिंह सेंगर सहित महिला पुलिस व पुलिस बल की उपस्थिति तथा कार्यपालक मजिस्टेट श्री दिलेश्वर साहू के निर्देश एव उपस्थिति भी रही। कार्यवाही में महाप्रबंधक (प्रवर्तन और पीएचडी), नगर सेवाएं के के यादव भी उपस्तिथ थेद्य बेदखली कार्यवाही के दौरान कब्जाधारियों द्वारा बनाए पक्के स्ट्रक्चर को 02 जेसीबी मशीन की सहायता से ढ़हाया गया। स्थल से किसी भी प्रकार के सामान की जप्ती नही की गयी। कार्यवाही के दौरान अवैध कब्जेधारी द्वारा कार्यवाही का विरोध किया गया तथा इनफ़ोर्समेंट टीम के साथ बहस और हुज्जत की गयी।

उक्त बीएसपी भूमि से अवैध कब्जा/निर्माण को हटाने की कार्यवाही में भूमि अनुभाग के सर्वेक्षक डाकेश्वर परगनिहा, त्रिभुवन कौशिक के भूमि चिन्हांकन पश्चात कार्यवाही की गयी।

उपरोक्त बेदखली कार्यवाही में प्रवर्तन अनुभाग के अधिकारियों, कर्मचाारियों, निजी सुरक्षा गार्ड (महिला सुरक्षागार्ड) सहित जन. स्वा. विभाग के अधिकारियों कर्मचाारियों, भूमि अनुभाग के कार्मिकों के साथ कब्जा तोड़ने हेतु उपयोगी सभी उपकरण जिनमें 02 जे.सी.बी मशीन, ट्रेक्टर ट्राली, मालवाहको आदि वाहनो इत्यादि के साथ लगभग 150 लोगो की टीम कार्यवाही मे शामिल रही।

राजपूत-क्षत्रिय राष्ट्रीय मेधावी छात्र छात्रा मैरिट पुरुस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

देश भर से 85 फीसदी से ज्यादा अंक लाने वालों से आवेदन आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अखिल भारतीय राजपूत विकास समिति द्वारा दिल्ली में 17 वां राजपूत राष्ट्रीय मेधावी छात्र छात्रा मैरिट पुरुस्कार 2025 का आयोजन आगामी 2 नवंबर 2025 को होने जा रहा है। इसके लिए देश भर में राजपूत समाज से ताल्लुक रखने वाले दसवीं और बारहवीं की परीक्षा 85 फीसदी से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण छात्र छात्राओं से आवेदन आमंत्रित किया गया है। छत्तीसगढ़ के प्रतिभागी भिलाई निवासी क्षत्रिय कल्याण सभा महाराणा प्रताप भवन सेक्टर 7 भिलाई नगर के पूर्व मंत्री अरविंद सिंह से आवेदन सहित अन्य जानकारी उनके दूरभाष नं 94064- 18400 पर संपर्क कर सकते हैं।

वर्ष 2024 को मेधावी छात्र-छात्राओं को, जिन्होंने अधिकतम अंक कक्षा 10 (मैट्रिक) बोर्ड परीक्षा, इंटरमीडियेट परीक्षा, पास 2024 में की थी तथा जिन्होंने 85त्न अंक प्राप्त किए थे, उन्हे नगद राशि एवं प्रमाण पत्र और मैडल देकर सम्मानित किया गया था। इस वर्ष भी यह कार्यक्रम राजपूत छात्र-छात्राओं के लिए महाराणा प्रताप भवन चेतक चौक केशव पुरम लारेंस रोड दिल्ली में 2 नवंबर 2025 को किया जा रहा है। प्रत्येक राज्य से 8 विद्यार्थी जिन्होंने 85त्न या अधिक अंक प्राप्त किये हैं (कक्षा: हाईस्कूल/ इंटरमीडियेट पास परीक्षा-2025) उन्हें नगद राशि, मैडल तथा मैरिट प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। तथा दिल्ली व एन.सी.आर. से बाहर के विद्यार्थी को रेलवे के द्वितीय साधारण शयनयान का आने जाने का किराया दिया जायेगा। कृपया आरक्षण टिकट की फोटो कॉपी अवश्य साथ लाएं। इस सम्बंध में सभी राज्यों के प्रभारी/संस्थाओं के अध्यक्षों/प्रतिनिधियों को पत्र द्वारा सूचित किया जा रहा है तथा वे अपने-अपने राज्य के 8 (कक्षा: हाईस्कूल-4, इंटरमीडियेट-4) मेधावी छात्र-छात्राओं के नाम मैरिट के आधार पर प्रेषित करेंगे और वही नाम कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पंजीकृत किये जायेगें। जिन्होंने इस वर्ष 2025 के अन्तर्गत दसवीं, बारहवीं पास की हो। राज्यों के क्षत्रिय संस्थाओं के प्रभारी व अध्यक्ष ऐसे विद्यार्थियों के नाम, पते एवम् फोन नं. प्रेषित करेंगे तथा सर्टिफिकेट की सत्यापित कॉपी और छात्रों का फोटो भी उनके साथ भेजेंगें। यदि किसी कक्षा में संस्था द्वारा निर्धारित विद्यार्थियों की संख्या अधिक हो तो उसमें सबसे अधिक अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थी का नाम ही भेजा जायेगा। देरी से प्राप्त होने वाले प्रार्थना पत्रों पर विचार करने का अधिकार सुरक्षित है। दिल्ली प्रदेश राजपूत मैरिट पुरस्कार की स्थापना 2009 में की गई थी। दिल्ली व एनसीआर के राजपूत विद्यार्थी भी इसमें भाग ले सकेंगे।

खरीफ 2025 के लिए दुर्ग संभाग में 80 प्रतिशत उर्वरक उपलब्ध

■ जिले में फसलों की बोनी का कार्य लगभग पूर्ण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग संभाग में अच्छी बारिश होने के कारण खरीफ 2025 में फसलों की बोनी का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। धान की रोपाई का कार्य जारी है। खाद, बीज की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित किये जाने हेतु कृषि विभाग द्वारा बीज एवं खाद के भण्डारण वितरण की नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है।

संयुक्त संचालक कृषि के अनुसार दुर्ग संभाग में अप्रेल 2025 से 18 जुलाई तक मांग के विरूद्ध 80 प्रतिशत उर्वरक उपलब्ध कराया जा चुका है। यूरिया 99362 मे. टन, डीएपी 33856 मे. टन, एसएसपी 66818 मे. टन, पोटाश 26405 मे. टन एवं एनपीके 46079 मे. टन मार्कफेड द्वारा संभाग के डबल लॉक एवं सहकारी समितियों में भण्डारित कराया गया है। कुल 272519 मे. टन उर्वरक उपलब्धता के विरूद्ध 216908 मे. टन का किसानों को वितरण कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से किया जा चुका है। आगामी 2-3 दिनों में यूरिया 5199.59 मे.टन एवं

डीएपी 1350 मे. टन संभाग के विभिन्न जिलों को प्रदाय करने हेतु रेक लगने वाली है।

इस वर्ष डीएपी खाद की उपलब्धता सीमित होने के कारण किसानों को वैकल्पिक खाद के रूप में एसएसपी और एनपीके खाद अपनाने की सलाह दी जा रही है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अनुशंसा अनुसार प्रति एकड़ संतुलित उर्वरक उपयोग के विकल्प से संबंधित पोस्टर बैनर सभी समितियों में लगाया गया है एवं मैदानी विस्तार अमलों के माध्यम से कृषकों के मध्य इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। फसल रकबा और मिट्टी परीक्षण आधारित संतुलित उर्वरक उपयोग की अनुशंसा के अनुसार निर्धारित मात्रा में सहकारी समितियों द्वारा किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। एक बोरी डीएपी के स्थान पर 20 किग्रा. यूरिया और डेढ़ बोरी (75 किग्रा.) एसएसपी का उपयोग कर किसान डीएपी के बराबर पोषक तत्वों की पूर्ति फसल में कर सकते हैं। इससे किसान को एक बोरी डीएपी की लागत राशि 1350 रूपए की तुलना में राशि 892 रूपए ही वहन करना पड़ेगा। साथ ही कृषकों को ठोस यूरिया एवं डीएपी उर्वरक के विकल्प के रूप में तरल नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का उपयोग करने की सलाह दी जा रही है तथा कृषकों के मांग के अनुरूप उपलब्ध कराया जा रहा है।

अभियान चलाकर निरीक्षण

समस्त निजी कृषि केन्द्रों एवं सहकारी समितियों का मैदानी अमलों और उर्वरक निरीक्षकों द्वारा अभियान चलाकर निरीक्षण किया जा रहा है। संभाग में 18 जुलाई 2025 की स्थिति में 19 उर्वरक विक्रय केन्द्रों का विक्रय प्रतिबंध, 03 विक्रय केन्द्रों का लायसेंस निलंबन एवं 01 विक्रय केन्द्र का लायसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही की जा चुकी है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

जैविक कृषि की नई पहचान श्री विधि और कतार रोपा से खेतों में क्रांति

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। जिला प्रशासन, कृषि विभाग और भूमगादी की संयुक्त पहल से दंतेवाड़ा जिले में जैविक खेती की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। पारंपरिक खेती के विकल्प के रूप में अब श्री विधि, कतार रोपा और जैविक तरीकों को अपनाकर किसानों को वैज्ञानिक तकनीकों से जोड़ा जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जिले को जैविक जिला बनाना है, जहां पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दिया जा सके।

इस अभियान के तहत पहली बार जिले में 6 हजार हेक्टेयर भूमि पर रोपा, कतार रोपा एवं श्री विधि से खेती का लक्ष्य तय किया गया है। यह पद्धतियां न केवल अधिक उत्पादन दे रही हैं, बल्कि जल संरक्षण, कीट नियंत्रण और मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखने में भी मददगार साबित हो रही हैं। आज 19 जुलाई 2025 को गीदम विकासखंड के ग्राम हीरानार में इस अभियान की जमीन पर प्रभावी शुरुआत हुई। उपसंचालक कृषि सूरज पंसारी, सहायक संचालक कृषि धीरज बघेल, भोले लाल पैकरा, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी किशन नेताम समेत विभाग के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने कृषक लुदरू राम व अन्य किसानों के खेतों में कतार रोपा पद्धति का प्रायोगिक प्रदर्शन किया। इन प्रयासों के जरिए किसानों को खेत में ही प्रशिक्षण देकर वैज्ञानिक तरीके अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जैविक खेती की सफलता की बुनियाद किसानों को सशक्त बनाना है। कृषि विभाग के अधिकारी गांव-गांव जाकर जैविक खाद निर्माण, बीज उपचार, जैविक कीटनाशक जैसे नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, जीवामृत, घनजीवामृत आदि के उपयोग की जानकारी व्यावहारिक तौर पर दे रहे हैं। 'देखो और सीखो' की इस पद्धति से किसानों में व्यवहारिक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

श्री विधि से खेती में जल की बचत, पौधों का बेहतर विकास और उत्पादन में 30-40 प्रतिशत तक वृद्धि देखी जा रही है। वहीं कतार रोपा से पौधों में उचित दूरी रखने के कारण कीट और रोग नियंत्रण आसान हो जाता है। जैविक विधियों के माध्यम से खेती की लागत घट रही है और उपज की गुणवत्ता भी बेहतर हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में पहले से मौजूद संसाधनों जैसे गौवंश, वर्मी कंपोस्ट यूनिट और गौठानों कृ का प्रभावी उपयोग करते हुए प्राकृतिक कृषि मॉडल को अपनाया जा रहा है। इससे खेती में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है और किसान रासायनिक इनपुट्स पर निर्भर नहीं रह रहे। इस अभियान में जिले के प्रगतिशील किसान भी आगे आकर भूमिका निभा रहे हैं। वे स्वयं जैविक खेती अपना कर अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। 'किसान से किसान तक' ज्ञान के इस आदान-प्रदान ने अभियान को जन-आंदोलन का रूप देना शुरू कर दिया है। यह पहल सिर्फ उत्पादन और आय में वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसरों की दिशा में भी सकारात्मक असर डाल रही है। आने वाले समय में इस मॉडल को जिले की प्रत्येक पंचायत में विस्तारित कर दंतेवाड़ा को एक राष्ट्रीय जैविक मॉडल जिले के रूप में स्थापित करने की योजना है। जिला प्रशासन, कृषि विभाग और भूमगादी की यह साझी कोशिश न केवल खेती को अधिक टिकाऊ और लाभकारी बना रही है, बल्कि जैविक क्रांति के पथ पर अग्रणी भी बना रही है।

खास खबर...

अन्वेषा 2.0: शासकीय सांख्यिकी पर राष्ट्रव्यापी प्रश्नोत्तरी में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

एमसीबी। भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, रायपुर द्वारा राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर शुक्रवार को न्यू सर्किट हाउस, रायपुर के कॉन्फ्रेंस हॉल में राष्ट्रव्यापी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता द् अन्वेषा 2.0 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के छात्रों व पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अल्ताफहुसैन हाजी, उपमहानिदेशक, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, रायपुर ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में हाजी ने कहा कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय 1950 से देश की सेवा में समर्पित है। 75 वर्षों से अपने व्यापक प्रतिदर्श सर्वेक्षणों के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक मापदंडों पर सशक्त आंकड़े संग्रह कर नीति-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने युवाओं से सांख्यिकी सेवा को करियर के रूप में अपनाकर देश के विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया। वहीं प्रो. व्यास दुबे ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों में शासकीय सांख्यिकी के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाने में सहायक होती हैं। उन्होंने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय को इस आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और इसे एक सराहनीय पहल बताया। प्रतियोगिता में डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय की श्रीरंजीनी और मोक्षांशी पटेल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर ट्रॉफी, प्रमाणपत्र और 10,000 रुपये नगद पुरस्कार जीता। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के संदीप कुमार गुप्ता और विकास देवांगन को दूसरा स्थान और 6,000 रुपए नगद पुरस्कार मिला। तीसरा स्थान भी पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सुनील कुमार और काजल देवांगन ने हासिल किया, जिन्हें 4,000 रुपए नगद पुरस्कार दिया गया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 28 महाविद्यालयों के 56 छात्रों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के जन्मदिन पर दिव्यांगों को मिला अनमोल तोहफा

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने जन्मदिन के अवसर पर मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए जिले के 10 दिव्यांगजनों को स्कूटी प्रदान की। यह पहल न केवल उनके जीवन में आत्मनिर्भरता की नई राह खोलेगी, बल्कि उन्हें अपने सपनों को पंख देने का अवसर भी प्रदान करेगी। दिव्यांगजन स्कूटी पाकर खुशी से झूम उठे। उन्होंने कहा कि अब वे अपने रोजगार, शिक्षा और दैनिक कार्यों के लिए आत्मनिर्भर होकर आसानी से यात्रा कर पाएंगे। दिव्यांगजनों ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को दिल से जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शर्मा का यह उपहार हमारे जीवन को नई दिशा देने वाला है, हम उनके इस सद्भावपूर्ण सहयोग को कभी नहीं भूल पाएंगे। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मेरे जन्मदिन का सच्चा आनंद तब है जब किसी के जीवन में खुशियां और उम्मीदें जोड़ सकूं। दिव्यांगजन हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं, उनका सशक्तिकरण हमारी प्राथमिकता है। कार्यक्रम के दौरान जिले के जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। जन्मदिन के इस विशेष अवसर पर वातावरण शुभकामनाओं और आभार के स्वर से गूंज उठा। कार्यक्रम में पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, मोतीराम चंद्रवंशी, कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, जिला पंचायत सदस्य डॉ. वीरेन्द्र साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आमजन उपस्थित थे। जन्मदिन के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांग लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी साफझलक रही थी।

आंगनबाड़ियों में दिख रहा बदलाव: बच्चों को मिल रहा खेल-खेल में ज्ञान, संस्कार और पोषण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की आंगनबाड़ियाँ अब बच्चों के पोषण के साथ-साथ शिक्षा, संस्कार और स्वास्थ्य के नए केंद्र बन रही हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि राज्य सरकार का लक्ष्य आंगनबाड़ियों को नवाचारयुक्त बाल विकास केंद्र के रूप में स्थापित करना है, जहां बचपन संवरता है और भविष्य मजबूत होता है।

राज्य के अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्र अब पारंपरिक स्वरूप से निकलकर प्री-स्कूल प्ले लर्निंग स्पेस के रूप में विकसित किए जा रहे हैं। यहां बच्चों को कहानियों, चित्रों, लोकगीतों और गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता, भाषा विकास और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जा रही है। बेमेतरा जिले का बोइरकछरा आंगनबाड़ी केंद्र राज्य में एक उत्कृष्ट मॉडल बनकर उभरा है। यहां बच्चों का शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक और रचनात्मक विकास सुनियोजित तरीके से हो रहा है। दीवारों पर शैक्षणिक चित्रों और बालगीतों की प्रस्तुति, मोर जन्म दिन कैलेंडर और बच्चों के लिए तैयार किए गए कैरी बैग जैसे नवाचार बच्चों में आत्मविश्वास और सामाजिकता का संचार कर रहे हैं।

आंगनबाड़ी केंद्रों में किशोरी बालिकाओं को माहवारी स्वच्छता, आत्मरक्षा, पोषण और आत्मनिर्भरता के गुर सिखाए जा रहे हैं। वहीं गर्भवती महिलाओं को स्तनपान, नवजात देखभाल और संतुलित आहार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी जा रही हैं। पूरक पोषण आहार योजना के तहत बच्चों और महिलाओं को पौष्टिक भोजन जैसे हरे साग, मुनगा भाजी पाउडर, फल, रोटी-सब्जी और दाल-भात प्रदान किया जा रहा है। बेमेतरा की जिला कार्यक्रम अधिकारी ने जानकारी दी कि बोइरकछरा केंद्र में महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और महिला सक्षम कोष सहित सभी प्रमुख योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

इस सफलता के पीछे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती प्यारी ध्रुव और सहायिका की अहम भूमिका रही है, जिनकी निष्ठा और रचनात्मक सोच इस केंद्र को प्रेरणास्रोत बनाती है।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को इसी तरह शिक्षा, पोषण और संस्कार के समेकित केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि हर बच्चा सशक्त, शिक्षित और स्वस्थ बन सके। छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों से आंगनबाड़ी केंद्र अब बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव बन रहे हैं कृ जहां पोषण के साथ संस्कार और ज्ञान का भी समुचित समावेश हो रहा है।

क्षेत्रीय विधायक के प्रयासों से वर्षों से लंबित डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य के लिए मिले तेरह करोड़ अड़तालीस लाख रुपए की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। सूरजपुर जिला अंतर्गत विकास खंड प्रेमनगर के ग्राम पंचायत जयपुर से पर्वतीपुर तक 3.50 किलोमीटर एवं ग्राम पंचायत टाकर से डूमरभवना होते हुवे उमेश्वरपुर चौक तक लम्बाई 10.34 किलोमीटर लागत राशि 1348.25(तेरह करोड़ अड़तालीस लाख पच्चीस हजार रुपए की डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य का क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी के प्रयासों से प्रशासकीय स्वीकृति मिला है आपको बतादें की जयपुर से पार्वतीपुर तक जो सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली है यह एक बारहमासी सड़क के रूप में उपयोगी है बरसात के दिनों में आवागमन करने वाले राहगीरों को काफी समस्या होती थी लेकिन क्षेत्र की विधायक भूलन सिंह मरावी ने इस समस्या से निजात दिलाने का कार्य किया है वहीं ग्राम पंचायत टाकर से डूमर भवना होते हुवे उमेश्वरपुर चौक तक यह सड़क भी बहुत ही उपयोगी सड़क है लोगो को आवागमन में काफी समस्या होती थी आज यह सड़क निर्माण हो जाने से आवागमन करने वाले लोगों को सुविधा उपलब्ध होगी क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी के प्रयासों से भाजपा सरकार में विधानसभा प्रेमनगर में विकास की एक नई गाथा लिखी जा रही है कुछ दिन ही पूर्व में उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए हाईस्कूल भवन के लिए करोड़ों का बजट लाया था उन्होंने गांव गांव में दौरा कर एक एक जनता तक पहुंच कर उनके समस्याओं को जानने की कोशिश करते हुवे समस्याओं का त्वरित निराकरण करने का भी प्रयास किया है क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा है कि क्षेत्र की जनता का सेवा करना हमारी जिम्मेदारी है विधानसभा प्रेमनगर की जनता ने मुझे क्षेत्र की विकास के लिए मुझे अपना आशीर्वाद देकर विधायक बनाया है और इसी सोच के साथ मैं अपने जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रहा हूं उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। स्वीकृति मिलने से क्षेत्र की जनता ने विधायक भूलन सिंह मरावी को धन्यवाद ज्ञापित किया है क्षेत्र की जनता का कहना है कि आज हमारे वर्षों की समस्या को विधायक भूलन सिंह मरावी ने दूर किया है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जन्मदिवस के मौके पर 131 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृति पत्र बांटे

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कवर्धा-छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा वीर सावरकर भवन कवर्धा में आयोजित कार्यक्रम में करपात्री स्कूल से लेकर, जिला पंचायत होते हुए बीएसएनएल कार्यालय से होते हुए पीजी कॉलेज तक, पीजी कॉलेज से होते हुए करपात्री स्कूल तक 1 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले वॉकिंग टेऊक निर्माण का भूमिपूजन किया।

साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के 131 लाभान्वित हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्रक का वितरण एवं स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले नगर पालिका कवर्धा के 23 कर्मचारियों का सम्मान किया। उन्होंने जन्म दिवस के अवसर पर स्वच्छता दीदियों के साथ केक काटकर खुशी जाहिर की तथा उपस्थित सभी जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी, कर्मचारी व स्वच्छता दीदियों का आभार माना। सभी पात्र परिवारों को मिलेगा पक्का आवास-विजय शर्मा उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सभी उपस्थित हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजनाओं की जानकारी दी तथा सरकार द्वारा किस्तों में दी जाने वाले स्वीकृति राशि के बारे में भी अवगत कराया। गरीबों को ''मोर आवास मोर अधिकार'' का लाभ दिलाने छत्तीसगढ़ स्तर पर रायपुर से आंदोलन की शुरूवात का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सभी गरीब परिवार को उनका पक्का आवास प्रदान किया जायेगा। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत स्वीकृति सभी हितग्राहियों के समय-सीमा में कार्य प्रारंभ कराना सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माण होने वाले कार्यों की गुणवत्ता पर भी ध्यान रखें। प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों को समय-सीमा अनुसार किस्तों की राशि जारी किये जाने व हितग्राहियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो इसका पूर्ण ध्यान रखे। उन्होंने कहा कि किसी मकान के उपर बिजली तार गुजरे होगें उसका भी चिन्हांकित करते हुए हटाये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

कार्यक्रम के अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव डॉ.सियाराम साहू, मोतीराम चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुमार भट्ट, नितेश अग्रवाल, शहर मंडल अध्यक्ष सतविंदर पाहुजा, नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य विरेन्द्र साहू, नगर पालिका के सभापतिगण, पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण सहित अधिक संख्या में वरिष्ठ नागरिकगण, अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

स्वच्छता दीदीयों के साथ केक काटकर मनाया जन्मदिन-चंद्रप्रकाश

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के जन्म दिवस के अवसर पर वीर सावरकर भवन में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका में कार्यरत स्वच्छता दीदीयों के हाथों केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र 131 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्रक, नगर पालिका में स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणि कार्य करने वाले 23 कर्मचारियों का सम्मान किया गया। उन्होंने बताया कि अपने जन्म दिवस के अवसर पर विजय शर्मा ने 1 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले वॉकिंग टेऊक निर्माण का भूमिपूजन किया। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि आज कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद के 23 स्वच्छ कर्मियों को स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। स्वच्छ कर्मी ही हमारे समाज के असली नायक हैं, जिनके निरंतर परिश्रम से नगर, प्रदेश व देश स्वच्छ और स्वस्थ रहता है। लागत से निर्मित होने वाले वॉकिंग ट्रैक के निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया।

थैलेसीमिया मुक्त बचपन की ओर कदम जिला अस्पताल में प्रोजेक्ट जीवन के तहत विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन

थैलेसीमिया पीड़ित 30 बच्चों को मुफ्त जांच और उपचार, जगी नई उम्मीद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला अस्पताल पंडरी में आज थैलेसीमिया से जूझ रहे मासूम बच्चों के लिए 'प्रोजेक्ट जीवन' के अंतर्गत निशुल्क परामर्श और उपचार हेतु विशेष शिविर का सफल आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन और कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य उन बच्चों को राहत देना है, जो थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी के कारण लगातार रक्त चढ़वाने को विवश हैं। शिविर के माध्यम से ऐसे बच्चों को मुफ्त इलाज और बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा देकर एक बेहतर और स्वस्थ जीवन देने की पहल की गई।

शिविर में देश के प्रतिष्ठित अस्पताल फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम से अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. विकास दुआ और रक्त विकार विशेषज्ञ व ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. परमिंदर पाल सिंह ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं दीं। शिविर में 12 वर्ष से कम आयु के थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों का निशुल्क परीक्षण, परामर्श और उपचार किया गया। मरीजों और उनके परिजनों को थैलेसीमिया की रोकथाम, लक्षण और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस शिविर की सबसे महत्वपूर्ण पहल रही निशुल्क जांच, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर बोन मैरो ट्रांसप्लांट की संभावना का पता लगाया जाएगा। जिन बच्चों की जांच में उपयुक्त मैच पाया जाएगा, उनका बोन मैरो ट्रांसप्लांट शासन की ओर से पूरी तरह निःशुल्क कराया जाएगा। शिविर में कुल 30 मरीजों ने भाग लिया और 40 से अधिक ।ऋ सैंपल जांच हेतु एकत्रित किए गए। इस अवसर पर परिजनों को आगे के उपचार और देखभाल से जुड़ी जरूरी जानकारी भी दी गई। शिविर के आयोजन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी, सिविल सर्जन डॉ. संतोष भंडारी, प्रोजेक्ट जीवन की नोडल अधिकारी डॉ. श्वेता सोनवानी, कंसल्टेंट मिथलेश सोनबेर, डॉ. राखी चौहान और जिला अस्पताल के अन्य स्वास्थ्यकर्मी भी शामिल रहे। फील्ड स्तर से थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को शिविर स्थल तक पहुँचाने में RBSK टीम का विशेष योगदान रहा। सेवा दे रहे डॉक्टरों और विशेषज्ञों का सम्मान करते हुए, कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने स्मृति चिन्ह भेंट किया और कहा कि शासन की यह योजना उन परिवारों के लिए संजीवनी का काम करेगी, जो अपने बच्चों का बार-बार ब्लड ट्रांसफ्यूजन कराने को विवश हैं। उन्होंने आम जनता से अपील की कि यदि किसी भी बच्चे में थैलेसीमिया के लक्षण दिखें तो उसे तुरंत जांच और उपचार के लिए आगे लाएं। प्रोजेक्ट जीवन के तहत आयोजित यह शिविर बच्चों और उनके परिजनों के लिए आशा की नई किरण बनकर सामने आया है। इससे न केवल उनके इलाज का रास्ता खुला है, बल्कि भविष्य में थैलेसीमिया की रोकथाम और इसके प्रति जागरूकता फैलाने में भी जिला प्रशासन की यह मुहिम अहम भूमिका निभाएगी।

उरला बिरगांव से अपनी बिटिया के साथ आई एक महिला ने बताया

मेरे बच्चे को माइनर थैलेसीमिया है, जिसका इलाज हम प्राइवेट अस्पताल में करवा रहे थे। वहां इलाज में काफी खर्च हो गया। जब हमें पता चला कि जिला अस्पताल में थैलेसीमिया के लिए शिविर लग रहा है और यहाँ बच्चों का फ्री में इलाज व परामर्श मिल रहा है, तो हम तुरंत यहाँ आए।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटरप्यूरीफायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट कैम्प-2, भिलाई,
न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

ऐसे दूर रह सकते हैं आप वायरल फीवर से

मानसून में तापमान में अचानक परिवर्तन होने या संक्रमण का दौर होने पर अधिकतर लोग बुखार से पीड़ित होते हैं। ऐसा ही एक मौसमी संक्रमण वाला बुखार होता है वायरल बुखार। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल के डॉ. अभिषेक शुक्ला की मानें तो इस बुखार से निबटने के लिए कुछ एंटीबायोटिक दवाओं या कुछ ओटीसी (ओवर-द-काउंटर) का सहारा लिया जाता है। वायरल का फीवर हमारे इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है, जिसकी वजह से शरीर में संक्रमण बहुत तेजी से बढ़ता है। वायरल का संक्रमण बहुत तेजी से एक इंसान से दूसरे इंसान तक पहुंच जाता है।

क्या है वायरल

मानसून में लोगों को सबसे ज्यादा वायरल बुखार परेशान करता है। वायरल कई तरह के संक्रमण के कारण होता है। यहां तक कि कई वायरस भी वायरल का कारण बनते हैं। वायरल के दौरान आमतौर पर चक्कर आना, कफ-कोल्ड होना और गले में खराश जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। जब आप किसी वायरस से प्रभावित होते हैं तो सबसे अच्छा तरीका होता है उसे जड़ से खत्म कर देना। वायरल होने से शरीर में कुछ खास लक्षण दिखते हैं, जैसे गले में दर्द, खांसी, सिर दर्द, थकान, जोड़ों में दर्द के साथ ही उल्टी और दस्त होना, आंखों का लाल होना और माथे का बहुत तेज गर्म होना आदि। बड़ों के साथ यह फीवर बच्चों में भी तेजी से फैलता है।

नेचुरोपैथी है बेहतर

वैदिक ग्राम नोएडा के आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. एन. राघवन कहते हैं कि वायरल के दौरान सही खानपान से आप न सिर्फअपना इम्यून सिस्टम मजबूत कर सकते हैं, बल्कि वायरल फीवर को भी दूर कर सकते हैं। अगर बुखार 102 या इससे कम हो तो डॉक्टर के पास जाने से पहले कुछ घरेलू नुस्खे आजमाकर भी बुखार को कम किया या इससे पूरी तरह आराम पाया जा सकता है। ध्यान रहे यह नेचुरोपैथी के उपचार हैं और इन्हें डॉक्टरी सलाह के स्थान पर प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। यदि आपका बुखार नहीं उतर रहा है तो आपको डॉक्टरी सलाह लेनी चाहिए।

तुलसी का काढ़ा

वायरल बुखार के लक्षण होने पर प्राकृतिक उपचार के लिए सबसे प्रभावी और व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली औषधि है तुलसी के पत्ते। एक चम्मच लौंग पाउडर को करीब 20 ताजा और साफ तुलसी के पत्तों के साथ एक लीटर पानी में डालकर उबाल लें। इस काढ़े का हर दो घंटे में सेवन करें। बैक्टीरियल विरोधी, कीटाणुनाशक, जैविक विरोधी और कवकनाशी गुण तुलसी को वायरल बुखार के लिए सबसे उत्तम बनाते हैं।

अदरक, हल्दी और शहद

वायरल बुखार से पीड़ित लोगों को परेशानी दूर करने के लिए शहद के साथ सूखे अदरक और हल्दी का उपयोग करना चाहिए। अदरक स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है। इसमें एंटी फ्लेमेबल, एंटीऑक्सिडेंट और वायरल बुखार के लक्षणों को कम करने के गुण होते हैं। पानी में दो मध्यम आकार के सूखे टुकड़े अदरक या सौंठ पाउडर को डालकर उबालें। दूसरे उबाल में अदरक के साथ थोड़ी हल्दी, काली मिर्च, चीनी आदि को उबालें। इसे दिन में चार बार थोड़ा-थोड़ा पिएं। इससे वायरल बुखार में आराम मिलता है।

धनिये की चाय

धनिये के बीज शरीर को विटामिन देते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को भी बढ़ाते हैं। धनिये में मौजूद एंटीबायोटिक यौगिक वायरल संक्रमण से लड़ने की शक्ति देते हैं। इसके लिए पानी में एक बड़ा चम्मच धनिये के बीज डालकर उबाल लें। इसके बाद इसमें थोड़ा दूध और चीनी मिलाएं। इसे पीने से वायरल बुखार में बहुत आराम मिलता है।

चावल का माढ़

वायरल बुखार के इलाज के लिए प्राचीन काल से लोकप्रिय घरेलू उपाय है चावल स्टार्च या माढ़। यह पारंपरिक उपाय प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ा देता है। यह विशेष रूप से वायरल बुखार से पीड़ित बच्चों और बड़े लोगों के लिए एक प्राकृतिक पौष्टिक पेय के रूप में कार्य करता है। इसमें स्वादानुसार नमक मिलाकर गर्म-गर्म ही पिएं।

मेथी का पानी

रसोई में उपलब्ध मेथी के बीज में डायेसजेनिन, सपोनिन्स और एल्कलॉइड जैसे औषधीय गुण शामिल हैं। वायरल बुखार के इलाज के लिए नियमित अंतराल पर इस पेय को पिएं। मेथी के बीज, नींबू और शहद का मिश्रण तैयार कर उसका प्रयोग भी किया जा सकता है। मेथी के बीजों का प्रयोग अन्य बहुत सी बीमारियों के इलाज में किया जाता है और यह वायरल बुखार के लिए बेहतर औषधि है।

नींबू और शहद

नीबू का रस और शहद वायरल फीवर को कम करते हैं। शहद और नीबू के रस का सेवन भी कर सकते हैं।

सावधानियां

- मरीज के शरीर पर सामान्य पानी की पट्टियां रखें। पट्टियां तब तक रखें, जब तक शरीर का तापमान कम न हो जाए।
- मरीज को हर छह घंटे में पैरासिटामोल की एक गोली दे सकते हैं। दूसरी कोई गोली डॉक्टर से पूछे बिना न दें।
- दो दिन तक बुखार ठीक न हो तो मरीज को डॉक्टर के पास जरूर ले जाएं।
- रोगी को पर्याप्त मात्रा में ग्लूकोज और इलेक्ट्रोलाइट का सेवन करना चाहिए।

ताकि वायरल फीवर से बच सकें आप

तुलसी है रामबाण

यदि आपको वायरल बुखार से बचना है तो तुलसी का सेवन पूरे मानसून करना चाहिए। सुबह के समय एक कप चाय में तुलसी डालकर पीना चाहिए। इतना ही नहीं, तुलसी की पत्तियों को पानी में डालकर पीना भी फायदेमंद होता है।

अदरक की चाय

ब्लैक टी में अदरक का रस मिलाएं और एक चम्मच शहद डालें। हल्के गर्म पानी के साथ भी अदरक का रस ले सकते हैं। इससे गले को भी आराम मिलेगा और वायरल फीवर नहीं होगा। अगर वायरल फीवर दोबारा हुआ भी तो उससे जल्दी मुक्ति मिलेगी।

संतरे का करें इस्तेमाल

वायरल बुखार से बचने के लिए उस दौरान संतरे का जूस बहुत फायदा करता है। शरीर को मजबूती देने में संतरे का जूस बहुत फायदेमंद है। इम्यून सिस्टम बढ़ाने के लिए घर में ताजा संतरे का जूस निकालकर पिएं। इससे शरीर को किसी भी तरह के संक्रमण से लड़ने में मदद मिलती है।

लहसुन, पुदीना और सब्जियां

लहसुन को डाइट में शामिल करने से संक्रमण को जल्दी खत्म किया जा सकता है। पुदीने के सेवन से भी इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और बुखार में भी आराम मिलता है। इससे भी प्राकृतिक तरीके से संक्रमण के असर को खत्म किया जा सकता है। सब्जियों का सूप पीने या फिर प्रोटीन और विटामिनयुक्त फल खाने से भी बुखार को आसानी से दूर किया जा सकता है। इसका कोई नुकसान भी नहीं होता।

हेल्दी और टेस्टी पनीर वेज समोसा

चाय की चुस्कियों के साथ गरम गरम समोसे खाने हर किसी को पसंद होते हैं, आइए आज हम पनीर के समोसे की रेसिपी बारे में बताएंगे। चाय की चुस्कियों के साथ गरम गरम समोसे खाने हर किसी को पसंद होते हैं। आज हम आपको एक अलग तरह का समोसे बनाना सिखाएंगे। साधारण आलू की भरावन की जगह यहाँ समोसे को भरने के लिए हमने पनीर और शिमला मिर्च का प्रयोग किया है। आइए जानते है इस?की रेसिपी के बारे में-

सामग्री: 8 समोसा पट्टियाँ

भरावन मिश्रण के लिए: 1 टेबल-स्पून तेल आधा टी-स्पून जीरा एक चौथाई कप बहुत बारीक कटे प्याज एक चौथाई कप बहुत बारीक कटी शिमला मिर्च आधा चम्मच टी-स्पून अमचूर पाउडर एक टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर एक कप बहुत बारीक कटा पनीर नमक , स्वाद अनुसार 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हरा धनिया परोसने के लिए पुदीना चटनी

विधि

भरावन मिश्रण के लिए:
एक चौड़े पॅन में तेल गरम कीजिए। जीरा डालिए। जब ज़ीरा चटकने लगे तो प्याज और अदरक-हरीमिर्च का पेस्ट डालकर मध्यम आँच पर 2 मिनट तक भूनिए। शिमला मिर्च, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, पनीर, नमक तथा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाइए। मध्यम आंच पर और 2 मिनट भूनिए। पूरी तरह ठंडा कीजिए और मिश्रण को बराबर 8 भागो में बाँटकर एक तरफ रख दीजिए।

कैसे आगे बढे

समोसा पट्टी को सूखी, साफ़ समतल जगह पर रखिए। पट्टी के एक कोने पर एक भाग भरावन मिश्रण रखिए और तीकोण के रूप में मोडिए। किनारों पर थोडा पानी लगाकर समोसे को एक एक कोण से बंद कर दीजिए। शेष बची सामग्री और पट्टियों से यही प्रक्रिया दोहराते हुए बाकी 7 समोसे बनाइए। एक कड़ाही में तेल गरम कीजिए और थोड़ा-थोड़ा करके समोसों को चारों तरफ से भूरा होने तक तल लीजिए।

तेल सोखने वाले कागज पर निकालिए और पुदीना चटनी के साथ गरमा गरम परोसिए।

गले की खराश और खांसी से राहत पाने के लिए 6 घरेलू नुस्खे

गर्मी हो या सर्दी, गले की खराश कब आपको अपनी गिरफ्त में ले लेगी पता ही नहीं चलेगा. इससे गले में दर्द और सूजन आ जाती है,जिससे आपके प्रतिदिन करने वाले कार्य में बाधाएं आती है और आप पूरे दिन परेशान रहते है.इन बाधाओं से बचने के लिए आजमाएं 6 आसान से घरेलू नुस्खे जो दिला सकते है आप को गले की खराश से राहत.

नमक के गुनगुने पानी से गरारे

अगर गले में खराश लग रही है तो नमक के गुनगुने पानी से गरारे करना सबसे पुराना और सरल उपाय माना जाता है.नमक एंटी-बैक्टीरियल होता है, जिससे गले की खराश को आसानी से दूर किया जा सकता है.1/4 नमक की चम्मच को गुनगुने पानी में डालकर उसके दिन में 3 से 4 बार गरारे करने से गले की खराश से राहत पाया जासकता है.

गले की खराश से राहत पाने के लिए दूध में हल्दी मिलाकर पीने की प्रक्रिया प्राचीन भारत से चली आ रही है. हल्दी का दूध पीने से आपके गले में खराश से हुई सूजन और दर्द दोनों से आसानी से राहत पाई जा सकती है.आयुर्वेद में हल्दी के दूध को प्राकृतिक एंटीबायोटिक के नाम से भी जाना जाता है.

हर्बल चाय

डॉ. वसंत लैड द्वारा लिखित आयुर्वेदिक होम रेमिडीज बुक में कहा गया है कि अदरक, दालचीनी, लीकोरिस को एक गिलास पानी में 5 से 10 मिनट मिलाने के बाद उसके मिश्रण को दिन में तीन बार पीने से गले में हुई खराश से आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है.

शहद

आप गलेकी खराश से राहत पाने के लिए अदरक का काढ़ा बनाकर भी पीसकते हैं. इसके अलावा एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच शहद और नींबू का रस मिलाकर दिन में तीन बार पीने से भी सुखी खांसी से आराम पाया जा सकता है. शहद ह्यपेरटोनिक ओस्मोटिक हाइपरोनिक ऑसमाटिक की तरह कार्य करता है,जो गले की सूजन और दर्द को खत्म करने में मदद करता है.

सेब का सिरका

सेब का सिरका एक तरह का एसिड होता है जो गले की खराश से जन्में बैक्टीरिया को खत्म करताहै इसके साथ-साथ ये बलगम का भी निवारण करता है.एक चम्मच एप्पल विनेगर को अपनी हर्बल चाय में मिलाकर पीने से और एक चम्मच विनेगर को ही पानी में मिलाकर गरारे करने से बलगम से छुटकारा पाया जा सकता है.

लहसुन

लहसुन में सल्फर आधारित योगिक एलेसिन पाया जाता है, जो बैक्टीरिया को खत्म करता है.लहसुन का एक पीस गाल और दांतो के बीच दबाकर टॉफी की तरह चूसने से गले की खराश और खांसी से राहत पाई जा सकती है।

मॉनसून के मौसम में लगाएं इस रंग की लिपस्टिक

मॉनसून के दिनों में मौसम के बदलते मिजाज का असर हमारी लुक पर भी पड़ता है और ही वजह से हमें लिपस्टिक के कलर पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है। मॉनसून के मौसम में आपको वॉटरप्रूफलिपस्टिक का ही इस्तेमाल करना चाहिए वरना आपके फैशन सेंस का लोगों के सामने मज़ाक भी बन सकता है। इस मौसम में बेवक्त की बारिश आपके लिप कलर को खराब कर सकती है इसलिए वॉटरप्रूफ लिपस्टिक का ही इस्तेमाल करेंगी तो बेहतर होगा। लिपस्टिक चुनते समय सबसे पहले जरूरी बात होती है कि आप कौन-से रंग के कपड़े पहनने वाली हैं। जी हां, हमेशा अपने कपड़ों से मैचिंग की ही लिपस्टिक लगानी चाहिए वरना आपकी लुक बिगड़ भी सकती है। इसलिए जब भी बाहर जाएं तो अपने कपड़ों से मैचिंग की लिपस्टिक ही लगाएं।

ऐसे कलर्स चुनें जिन्हें आप सालभर किसी भी मौसम में और किसी भी जगह पर लगाकर जा सकती हों। अपने लिए लिप कलर चुनते समय आपको मौसम और जिस जगह आपको वो कलर लगाकर जाना है उसका ध्यान रखना चाहिए। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि तूफानी और बारिश के मौसम में आपको किस तरह की लिपस्टिक या लिप कलर लगाने चाहिए। इन्हेंर आप कभी भी, किसी भी वक्त और किसी भी जगह लगाकर जा सकती हैं। सबसे खास बात ये है कि ये लिप हर स्किन टोन और लिप शेप को सूट करेगी। तो चलिए फिर देर किस बात की अभी जानते हैं मॉनसून के लिप कलर्स के बारे में।

■ नैचुरल न्यूड लिप कलर

कई महिलाओं को सिंपल रहने से ज्यादा खूब सारा मेकअप करके बाहर निकलना पसंद होता है। ये महिलाएं दूसरों को आकर्षित करने के लिए संज-संवरकर ही घर से निकलना पसंद करती हैं। ऐसी महिलाओं अपनी लुक में चार चांद लगाने के लिए नेचुरल न्यूड लिप कलर लगाना चाहिए। नैचुरल न्यूड लिप कलर आपके नैचुरल लिप कलर को ओवरकोट नहीं करेगा। नैचुरल न्यूड लिप कलर खरीदते समय आपको ग्लॉसी लिपस्टिक चुननी चाहिए।

■ मटैलिक लिप कलर

शहरों में लड़कियां लिपस्टिक के मामले में मटैलिक कलर काफी पसंद करती हैं। मॉनसून के महीने में मटैलिक कलर की लिपस्टिक आपकी सुंदरता को और भी ज्यादा निखारने का काम करती है। इससे आपके होंठ भी हाईलाईट होते हैं। अगर आप मटैलिक लिप रेंज में जैली कोटिंग चाहती हैं तो आपको इसके शैंपेन शेड को चुनना चाहिए। लिपस्टिक के सेंटर में शैंपेन शेड लगाएं और किनारों पर अपना बेसिक लिप कलर लगाएं। लिपस्टिक लगाने से पहले होठों पर कंसीलर जरूर लगाएं। इससे मटैलिक लिपस्टिक का लुक एकदम परफैक्ट आएगा।

■ कोकोआ चॉकलेटी लिप कलर रेंज

कोकोआ चॉकलेटी लिप कलर की रेंज में आपको भूरे यानि ब्राउन कलर की लिपस्टिक मिलेगी। इस रंग की लिपस्टिक की सबसे खास बात है कि ये किसी भी स्किन टोन के साथ फब जाती है। आपका रंग चाहे गोरा हो या सांवला, ब्राउन बेस्ड लिप कलर हर रंग पर जंचता है। मॉनसून में कोकोआ चॉकलेटी लिप कलर को परफैक्ट लुक देने के लिए वॉटरप्रूफ लिपस्टिक ही चुनें। ऑफिस जा रहीं हैं तो कोकोआ चॉकलेटी कलर का डबल कोट लगाएं, वहीं अगर किसी पार्टी या मीटिंग के लिए जा रहीं हैं तो जितना गहरा कोकोआ चॉकलेटी लिपस्टिक का रंग होगा उतनी ही ज्यादा चमक आपके चेहरे की बढ़ेगी।

■ लैवेंडर लिपस्टिक

लैवेंडर लिपस्टिक में इतनी सारी वैरायटियां हैं कि आप कंफ्यूज़ हो जाएंगी। लैवेंडर लिपस्टिक में लाइट प्लम से लेकर डीप पर्पल तक सभी खूबसूरत रंग मिल जाएंगें। मॉनसून के महीने में ये रंग काफी अलग और अनोखे दिखते हैं। इससे आपके होंठ शेप में भी दिखते हैं। अगर आपने लैवेंडर लिप कलर का काफी हल्का शेड खरीद लिया है तो परफैक्ट पार्टी लुक पाने के लिए आप इसका ओवरकोट भी लगा सकती हैं। अगर आपके पास गहरा पर्पल शेड है और आप हल्के रंग की लिपस्टिक चाहती हैं तो आपको इसे लगाने से पहले होठों पर थोड़ा लूज़ पाउडर लगाना चाहिए।

■ सदाबहार रहने वाला लाल

रंग साल के किसी भी दिन आप लाल रंग की लिपस्टिक लगा सकती हैं। इस रंग की खास बात है कि आप ऑफिस या पार्टी से लेकर घर के किसी निजी कार्यक्रम में भी इसे लगाकर जा सकती हैं। रैड लिपस्टिक तभी लगाएं जब आप इसको लेकर कॉन्फिडेंट हों। अगर आपको ज़रा भी लग रहा है कि ये रंग आपको सूट नहीं कर रहा तो इसे हटा दें।

■ दो लिप कलर

आजकल दो लिप कलर्स का फैशन भी खूब चल रहा है। इस ट्रेंड में आप अपने होंठों पर दो रंग की लिपस्टिक लगा सकती हैं। सुनने में थोड़ा अजीब लगता है लेकिन ये काफी अनूठा ट्रेंड है।

इसमें आप एक ही रंग के दो शेड या फिर कंट्रास्ट शेड की लिपस्टिक लगा सकती हैं। बाहर जाने से पहले ये एक्सपेरिमेंट खुद पर ही करके देखें। हो सकता है कि ये आपको सूट ना करे इसलिए पहले इसे घर पर ही ट्राई करें। ब्लैक एंड व्हाइट की जगह दो कंट्रास्टिंग शेड चुनेंगी तो ज्यादा बेहतर होगा।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किया नवीन तहसील कार्यालय भवन का उद्घाटन

कार्यालय परिसर में विधायक मद से शेड बनाने की घोषणा, 26 करोड़ के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के अनुसूचित जाति, जनजाति विकास, पिछड़ा वर्ग कल्याण व अल्पसंख्यक विकास विभाग व कृषि मंत्री रामविचार नेताम एक दिवसीय प्रवास पर बलरामपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ग्राम डौरा कोचली में पहुंचकर 71 लाख 12 हजार रुपये की लागत से बने नवीन तहसील कार्यालय भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

उन्होंने तहसील भवन के उद्घाटन के पश्चात भवन का अवलोकन भी किया। कृषि मंत्री श्री नेताम ने तहसील कार्यालय परिसर में विधायक मद से शेड बनाने की घोषणा भी की। इस दौरान उन्होंने लगभग 26 करोड़ की अधिक की राशि के 61 विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। जिसमें 12 करोड़ 72 लाख से अधिक की राशि के 59 कार्यों का भूमिपूजन जिसमे सीसी रोड निर्माण, पुलिया निर्माण एवं 13 करोड़ 74 लाख रुपए के 2 कार्यों का लोकार्पण जिसमे उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य शामिल है।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जिले में विभिन्न विकास कार्य हो रहे है। सरकार सभी के हितों के लिए कार्य कर रही है। नये तहसील भवन से आस-पास के लोगों को काफी सुविधा होगी ।भवन के निर्माण होने से राजस्व संबंधी दस्तावेजों का संधारण सही ढ़ंग से किया जाएगा। साथ ही राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी आएगी। इससे इस क्षेत्र के 48 गांव के लोग लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन बोर्ड के द्वारा विकासखण्ड बलरामपुर के अंतर्गत 12 करोड़ से अधिक की लागत से विभिन्न कार्य सम्पादित किये जायेंगे। उन्होंने सभी सबंधितों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने स्थानीय समस्याओं पर भी चर्चा करते हुए कहा कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर आप सभी स्थानीय जनप्रनिधियों को अवगत करायें। उन्होंने स्वेच्छानुदान राशि के संबंध में भी क्षेत्रवासियों को अवगत कराया। कृषि मंत्री ने कहा कि क्षेत्र के किसानों को धान बेचने के पश्चात बलरामपुर बार-बार जाना पड़ता है, इसके लिए व्यवस्था को सरल बनाने के लिए सहकारी बैंक व समिति की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास भी किया जाएगा। जिससे किसानों का समय और संसाधनों की बचत होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास के संबंध में भी जानकारी देते हुए कहा कि सभी पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास से लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विद्युत समस्या के समाधान हेतु विद्युत सबस्टेशन का भी प्रयास किया जाएगा।

पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य कृष्णा गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज क्षेत्र के लोगों के लिए बहुत खुशी का दिन है। तहसील भवन के निर्माण से राजस्व संबंधी कार्यों में शीघ्रता आएग। उन्होंने कहा कि मंत्री नेताम के मार्गदर्शन में जिले में निरंतर विकास कार्य हो रहे है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आनंद राम नेताम ने कहा कि तहसील कार्यालय डौरा के नये भवन बन जाने से दस्तावेजों का संधारण अब उचित तरीके से होगा साथ ही कार्य में कुशलता और शीघ्रता आएगी, जल्द ही लोक सेवा केन्द्र की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। जिससे लोगों के आय, जाति, निवास, भूमि संबंधी दस्तावेज बनाए जाएंगे और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। धमतरी जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त और जनकल्याणकारी योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक बीते दिन आयोजित की गई। कलेक्टर मिश्रा ने अधिकारियों से कहा कि यदि दोनों विभाग एक-दूसरे के पूरक के रूप में काम करें, तो स्वास्थ्य और पोषण सुधार के क्षेत्र में जिले को उत्कृष्ट उपलब्धि दिलाई जा सकती है।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ यू.एल. कौशिक, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती जगरानी एक्का, डीपीएम डॉ प्रिया कँवर के अलावा दोनों विभागों के अधिकारी, परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं स्वास्थ्य अमला उपस्थित रहे। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री जनधन योजना और धरती आबा योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के तहत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने विभागीय समन्वय को मजबूत करने और एकीकृत कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया। बैठक के दौरान हाई रिस्क प्रेगनेंसी, सी-सेक्शन मामलों, एनआरसी में भर्ती कुपोषित बच्चों और चिरायु योजना के तहत कैटेगरी 1-2 के गंभीर रूप से बीमार बच्चों की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ऐसे बच्चों का समय पर उपचार सुनिश्चित किया जाए और उनकी नियमित निगरानी की जाए।

उन्होंने मितानीनों को आयुष्मान कार्ड बनाने, टीबी स्क्रीनिंग और कैंसर जांच जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में सहयोग लेने को कहा। कलेक्टर ने सर्वाइकल और सिकल सेल जांच में तेजी लाने, निक्षय मित्रों की संख्या बढ़ाने तथा जनप्रतिनिधियों को भी अभियान में जोड़ने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण, पोषण पुनर्वास केंद्र में बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच, उनकी प्रोफाइलिंग और ञ्च।।क्र वितरण में फेस कैप्चर को अनिवार्य बताया।

मुख्यमंत्री साय की ऐतिहासिक पहलः जशपुर जिले के 48 मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए 2.03 करोड़ रुपये स्वीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेश की धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जशपुर जिले के 48 प्राचीन और जनआस्था से जुड़े मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए 2 करोड़ 3 लाख 59 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति राज्य शासन द्वारा प्रदान की गई है। इससे जशपुर जिले की धार्मिक पहचान को सहेजने के साथ-साथ क्षेत्रीय पर्यटन और स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।

धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार मंदिरों के विकास, संरक्षण और सौंदर्यीकरण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर यह कार्य धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जशपुर की पावन धरती सदैव से श्रद्धा, संस्कृति और आस्था का केंद्र रही है। इन मंदिरों का जीर्णोद्धार केवल संरचना का नवीनीकरण नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना और आत्मिक ऊर्जा का पुनर्जागरण है। मेरा संकल्प है कि हर ग्राम का धार्मिक स्थल सुव्यवस्थित हो, जिससे वहां न केवल भक्ति का वातावरण बने बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति मिले।

जशपुर जिले के जिन प्रमुख मंदिरों के जीर्णोद्धार हेतु राशि स्वीकृत की गई है, उनमें ग्राम चेटबा के हनुमान, गायत्री एवं श्रीराम मंदिर, प्रत्येक के लिए 5-5 लाख रूपए, ग्राम दोकड़ा के हनुमान, राधाकृष्ण एवं डुमरटोली मंदिर, कुल 13 लाख रूपए, ग्राम कटंगखार, नारियरडांड, कोहलनझरिया, सिंगीबहार, अमडीहा, समडमा, साजबहार, रायकेरा, बटुराबहर, सिंदरीमुंडा और हेठघिंचा के मंदिरों में 3 से 5 लाख रूपए तक मंजूरी दी गई है।

इसी तरह कुनकुरी थाना परिसर मंदिर और कई अन्य ग्रामों के शिव एवं हनुमान मंदिर, जिनमें ग्राम पण्डरापाठ स्थित नागेश्वर धाम मंदिर हेतु 4.79 लाख रूपए तथा रायकेरा श्री जगन्नाथ मंदिर हेतु 4.80 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। इससे ग्राम स्तर पर बिखरे धार्मिक स्थलों का सुनियोजित विकास सुनिश्चित होगा, जिससे वहां का धार्मिक स्वरूप, सांस्कृतिक पहचान और पर्यटकीय महत्व भी बढ़ेगा।

मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार के लिए राशि की स्वीकृति पर संबंधित ग्रामों के मंदिर समितियों, पुजारियों, ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे जशपुर की धार्मिक विरासत को संजोए रखने मदद मिलेगी।

समारोहपूर्वक मनाया गया साहित्यकार डॉ. चित्तरंजन कर का जन्मदिन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के सुप्रसिद्ध साहित्यकार, भाषा विज्ञानी, गीतकार और संगीतज्ञ डॉ. चित्तरंजन कर के 78वें जन्म दिन के अवसर पर छत्तीसगढ़ के साहित्यकारों और संस्कृति-कर्मियों ने समारोहपूर्वक उनका अभिनंदन किया. साहित्यिक और संगीत संध्या के रूप में यह समारोह साहित्य भारती, छत्तीसगढ़ द्वारा राजधानी रायपुर के वृन्दावन सभागार में आयोजित किया गया.

इस मौके पर ' एक शाम चित्तरंजन कर के नाम 'कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें डॉ. चित्तरंजन कर ने अपने गीतों, ग़ज़लों और भजनों की संगीतिक प्रस्तुति दी.मुख्य अतिथि की आसंदी से वरिष्ठ साहित्यकार और पूर्व आई. ए. एस. अधिकारी डॉ. सुशील त्रिवेदी ने समारोह को सम्बोधित किया. उन्होंने डॉ. चित्तरंजन के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें जन्म दिन की बधाई और शुभकामनाएँ दी.विगत सोलह जुलाई को आयोजित इस गरिमामय समारोह की अध्यक्षता बिलासपुर के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.अजय पाठक ने की. उन्होंने भी डॉ. कर के लिए अपनी शुभेच्छा प्रकट की.विशेष अतिथि के रूप में साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष शशांक शर्मा, रायपुर के वरिष्ठ साहित्यकार गिरीश पंकज और डॉ. माणिक विश्वकर्मा'नवरंग', और बिलासपुर के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. देवधर महंत उपस्थित थे.प्रारंभ में हिंदी साहित्य भारती छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष बलदाऊराम साहू ने आयोजन के संदर्भ में प्रकाश डालते हुए स्वागत भाषण दिया। डा. कर की सुपुत्री डॉ.विभाषा मिश्र ने डा. चित्तरंजन कर का परिचय प्रस्तुत किया। समारोह में हिन्दी साहित्य भारती के अलावा समन्वय परिवार छत्तीसगढ़, संकेत साहित्य समिति , छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान , जय जोहार संस्थान तथा अन्य अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी डॉ. चित्तरंजन कर का भावभीना सम्मान किया।

संगीतिक प्रस्तुतियों में तबले पर सोनू विश्वकर्मा और रूपेन्द्र श्रीवास्तव ने संगत की. डा.कर ने अपनी प्रस्तुति की श्रृंखला में अपनी जन्म- ग्राम पैकिन (सरायपाली) की स्मृतियों से जुड़ा भावपूर्ण गीत सुनाया.उनका यह मर्मस्पर्शी गीत सुनकर लोग बहुत भावुक हो गए -जब से छूटा गाँव , गाँव को भूला कभी नहीं।

प्रोजेक्ट सुरक्षा के तहत सुरक्षा अधिकारियों को सीपीआर और प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण प्रदान किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिला प्रशासन द्वारा जीवन रक्षक उपायों के प्रति जागरूकता और तत्परता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट सुरक्षा के अंतर्गत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में में 'प्रोजेक्ट सुरक्षा' के अंतर्गत पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर्स को प्राथमिक उपचार और CPR का जीवनरक्षक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वी.आई.पी. सुरक्षा वाहिनी, माना में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे क्क्स्ह के लिए 4वीं वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, माना रायपुर में किया गया। प्रशिक्षण का संचालन रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा रायपुर के मास्टर ट्रेनर एवं राजभवन चिकित्सक डॉ. देवेश रायचा ने किया।

प्रशिक्षण के दौरान, PSO को आपातकालीन स्थिति में जीवन रक्षण हेतु CPR तकनीक की जानकारी दी गई। डॉ. रायचा ने बताया कि हृदय गति रुकने की स्थिति में कैसे समय रहते ष्टक्क्र देकर किसी की जान बचाई जा सकती है। प्रशिक्षुओं ने तकनीक को न केवल ध्यानपूर्वक सीखा बल्कि उसका प्रायोगिक अभ्यास भी किया।

प्रशिक्षण के पश्चात सभी प्रतिभागियों को 'प्रोजेक्ट सुरक्षा फर्स्ट एड किट' प्रदान की गई तथा उपयोग की जानकारी दी गई। जिसमें पैरासिटामोल, गैस की गोली, नॉरफ्लॉक्स-ञ्ज, कॉटन, बैंडेज, एडेसिव, बेटाडीन मलहम, ह्रक्रस् जैसे आवश्यक औषधीय सामग्री शामिल है।

पावर टिलर बन रहा है बदलाव का आधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ का दंतेवाड़ा जिला अब जैविक खेती के साथ-साथ आधुनिक खेती के उपकरण को अपनाने के लिए भी तेजी से आगे आ रहा है। जिला प्रशासन ने हाल ही में यहां के 75 प्रगतिशील किसानों और महिला स्व-सहायता समूहों को पावर टिलरों का वितरण किया है।

सबसे बड़ी बात है कि इन आधुनिक खेती के उपकरणों का उपयोग व्यक्तिगत खेती में ही नहीं किया जा रहा है, बल्कि महिला स्व-सहायता समूह के माध्यम से इनके सामूहिक उपयोग मॉडल पर भी जोर दिया गया है, जिससे गांव के अन्य किसान भी इसका लाभ उठा सकें।

पावर टिलर के माध्यम से किसान खेतों की गहरी जुताई करने के साथ-साथ मिट्टी को बारीक करने और जैविक खादों को समरस रूप से मिलाने में कर रहे हैं। जहां पहले पारंपरिक हल से खेत की जुताई में दो से तीन दिन लगते थे, वहीं अब यह काम कुछ ही घंटों में पूरा हो रहा है। पावर टिलर का आकार छोटा और संचालन सरल होने के कारण यह छोटे जोत के किसानों के लिए भी उपयुक्त है।

ग्राम हीरानार के किसान लूदरुराम और ग्राम कासौली के सुरेश नाग बताते हैं कि पावर टिलर के उपयोग से खेती करना अब पहले से ज्यादा आसान हो गया है। समय की बचत हो रही है। उत्पादन में भी सुधार देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह मल्टीपरपज मशीन न केवल जुताई के काम आती है, बल्कि मिट्टी पलटने, कतार बनाने, निंदाई-गुड़ाई, खाद मिलाने और ट्रॉली से परिवहन जैसे कार्यों में भी सहायक है। इससे श्रम लागत में कमी आई है और जैविक खेती भी टिकाऊ और लाभदायक बना है। विशेषकर युवा किसान भी अब आधुनिक कृषि तकनीकों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। बस्तर अंचल का दंतेवाड़ा जिला अब अपनी समृद्ध प्राकृतिक संपदा, उपजाऊ मिट्टी और अनुकूल जलवायु के साथ-साथ जैविक खेती की दिशा की ओर अग्रसर हो चुका है।

राज्य के सिंचाई जलाशयों में 50 फीसद जलभराव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जल संसाधन विभाग द्वारा 19 जुलाई को जारी टैंक गेज रिपोर्ट के अनुसार राज्य के प्रमुख सिंचाई जलाशयों में अब तक 49.78 प्रतिशत जलभराव हो चुका है। बिलासपुर स्थित खारंग डेम और दुर्ग जिले का खपरी जलाशय लबालब हो गया है। राज्य के कुल 46 प्रमुख जलाशयों में से झुमका जलाशय में 98.84 प्रतिशत, मनियारी जलाशय 90 प्रतिशत से अधिक, जबकि छरपानी जलाशय में 91 प्रतिशत से अधिक जलभराव हुआ है।

मिनीमाता बांगो डेम (कोरबा) में अब तक 52.78 प्रतिशत जलभराव हुआ है, रविशंकर सागर (धमतरी) में 53.26 प्रतिशत, तांदुला डेम (बालोद) में 29.29 प्रतिशत, दुधावा डेम में 21.87 प्रतिशत, सिकासार डेम में 45.21 प्रतिशत, सोंढूर में 23 प्रतिशत, मुरूमसिल्ली डेम में 21.57 प्रतिशत, कोडार डेम में 38.11 प्रतिशत, केलो डेम में 30.96 प्रतिशत जलभराव हुआ है। राज्य के 12 वृहद सिंचाई परियोजनाओं में शामिल खारंग डेम (बिलासपुर) में 100 प्रतिशत जलभराव दर्ज किया गया है, जो सर्वाधिक भराव वाले जलाशयों में शामिल है। मनियारी डेम (मुंगेली) में जल स्तर 93.17 प्रतिशत तक पहुंच गया है, छोटे जलाशयों जैसे झुमका डेम (कोरिया) और छिरपानी (कबीरधाम) में क्रमशः 98.84 प्रतिशत और 91.14 प्रतिशत जलभराव हो चुका है। इसी तरह अरपा भैंसाझार (बिलासपुर) और मायना (कांकेर) जैसे जलाशयों में 30 प्रतिशत से भी कम, गोंदली डेम (बालोद) में 30.24 प्रतिशत और कोसारटेडा डेम (बस्तर) में 42.57 प्रतिशत जलभराव हुआ है। खरखरा डेम में 22.15 प्रतिशत, परलकोट डेम में 36.44 प्रतिशत, श्याम डेम सरगुजा में 69.38 प्रतिशत, पिपरिया नाला डेम में 77.64 प्रतिशत, बलार डेम में 23.04 प्रतिशत, सुतियापात जलाशय में 67.74 प्रतिशत, मोंगरा बैराज में 62.62 प्रतिशत, मरोदा जलाशय में 38.62 प्रतिशत, सरोदा दादर में 41.03 प्रतिशत, घोंघा जलाशय में 82.84 प्रतिशत, मटियामोती जलाशय में 28.51 प्रतिशत, झुमका जलाशय में 98.84 प्रतिशत, खमारपकुट डेम में 86.11 प्रतिशत, कर्रानाला बैराज में 72.64 प्रतिशत, किंकारी नाला में 80.31 प्रतिशत, सुखा नाला बैराज 72.95 प्रतिशत, कुम्हारी डेम रायपुर में 40.44 प्रतिशत, धारा जलाशय राजनांदगांव में 46.44 प्रतिशत तथा रूसे डेम में 54.47 प्रतिशत जल भराव हो चुका है।

राज्य के कई जलाशयों से नहरों तथा स्लूइस के माध्यम से जल निकासी भी जारी है। खारंग, मनियारी, केलो और सीतानदी बेसिन के जलाशयों से जल छोड़ा गया है। जल संसाधन विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को जलाशयों की सतत निगरानी के निर्देश दिए हैं।

जीवन कौशल शिक्षाः बच्चों के बेहतर भविष्य का निर्माण

सुकमा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामकेश्वर सिंह कुशवाहा के निर्देशन तथा मार्गदर्शन में डीएमएचपी टीम साइकियाट्रिक सोशल वर्कर रीना नायडू के द्वारा शासकीय हाई स्कूल पोटाकेबिन केरलापाल के 65 छात्रों को जीवन सुरक्षा कौशल की ट्रैनिंग दी गई। छात्र जीवन कौशल, जैसे कि समस्या-समाधान, संचार और निर्णय लेना, आज के समय में बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसके साथ ही जीवन में व्यक्तिगत और सामाजिक जिम्मेदारी शामिल हैं।

खास खबर

रेलवे ट्रैक के किनारे बुजुर्ग की लाश मिलने से सनसनी, जोगराम राठिया के रूप में हुई शिनाख्त

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में शनिवार की सुबह रेलवे ट्रैक किनारे एक बुजुर्ग की लाश मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मामला तमनार थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक तमनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मौहापाली निवासी जोगीराम राठिया 60 साल की लाश आज सुबह रेलवे ट्रैक किनारे मिली है।

गांव के ग्रामीणों ने बताया कि जोगीराम राठिया की मानसिक स्थिति ठीक नही है। कल दोपहर से वह घर से निकला था जो देर रात तक नही लौटा था। परिजन आज सुबह भी बुजुर्ग की पतासाजी में लगे थे इसी बीच रेलवे ट्रैक के किनारे बुजुर्ग की लाश मिली। गांव के ग्रामीणों ने आशंका जाहिर करते हुए बताया कि संभवत: बुजुर्ग रेलवे ट्रैक किनारे चल रहा होगा इसी बीच ट्रेन की ठोकर गिरकर उसकी मौत हो गई होगी। बुजुर्ग के सिर में चोट के भी निशान मिले है। बहरहाल इस घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची तमनार पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

हत्या व लूट कांड के 2 आरोपियों को उम्र कैद

दंतेवाड़ा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार होता के न्यायालय ने आरोपी जोगेंद्र पोडियाम उर्फ जोगा एवं कमलेश मरकाम उर्फ कमलू को हत्या एवं लूट कांड का आरोप सिद्ध होने पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। दोनों आरोपियों द्वारा चितालंका दंतेवाड़ा में अंकित गुप्ता की कुल्हाड़ी से वार कर उसकी हत्या करने के साथ-साथ उसके पास रखे 4000 रुपये और मोबाइल भी लूट लिया गया था।

न्यायालय ने आरोपी जोगेंद्र पोडियाम उर्फ जोगा एवं कमलेश मरकाम उर्फ कमलू को धारा-394 सहपठित धारा-397 भादसं, धारा-302,34 भादसं में सिद्धदोष पाते हुए सजा सुनाई है। आरोपियों को धारा-302, 34 भादसं के अपराध में आजीवन कारावास की सजा तथा धारा-394 सहपठित धारा-397 भादसं के अपराध में 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा न्यायालय द्वारा सुनाई गई है। जानकारी के अनुसार 03 दिसंबर 2021 को जय विजय हीरो मोटर शो रूम दंतेवाड़ा के फाइनेंसर अंकित गुप्ता आरोपी जोगेंद्र पोडियाम उर्फ जोगा द्वारा खरीदे गये एमएम डीलक्स मोटर साईकिल की किस्त की राशि लेने के लिए दोपहर 02 बजे गया था। अभियुक्त गणों ने किस्त की राशि देने के नाम पर अंकित गुप्ता को जंगल की ओर ले गये थे, जहां हत्या कर दी।

2.84 करोड़ ज्यादा भुगतान, 2 अफसरों को 7 साल की सजा

दंतेवाड़ा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार होता, विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) की अदालत ने लोक निर्माण विभाग के दो अफसरों को सात साल की सजा सुनाई है। आरोपी चोवाराम पिस्दा उस समय सुकमा में कार्यपालक अभियंता थे। ज्ञानेश तारम कोंटा उप संभाग में उप अभियंता और प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी थे।

वर्ष 2010-11 में एलडब्ल्यूई योजना के तहत चिंतलनार से मरईगुड़ा तक सड़क निर्माण का ठेका नीरज सीमेंट स्ट्रक्चर लिमिटेड, मुंबई को मिला था। कंपनी की ओर से काम मदीना मोहम्मद ने कराया। दोनों अफसरों ने माप पुस्तिका में फर्जी मापदंड दर्ज कर 2.84 करोड़ रुपए का अधिक भुगतान कराया। ठेकेदार को फायदा पहुंचाया। फर्जी दस्तावेज बनाए और छल किया। इन अपराधों में अदालत ने दोनों को दोषी पाया।

बाइकों में आमने-सामने भिड़ंत में दो लोगों की मौत, दो घायल

कोंडागांव। जिले के माकड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले उड़िदगांव में दो बाइक की आमने-सामने भिड़त हो गई। इस घटना में दो युवकों की मौत हो गई और लोग घायल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

माकड़ी थाना प्रभारी ने बताया कि उड़िदगांव पीड़ापाल मार्ग में दो बाइक की आमने-सामने भिड़त हो गई। इस घटना में दोनों बाइकों के चालकों की मौत हो गई जबकि पीछे बैठे लोग घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दिया गया। वहीं, पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वहीं, मृतकों के परिजनों को सूचना दी गई। हादसे की जानकारी लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

रायपुर में ऑनलाइन चाकू मंगवाकर पंप मैनेजर का मर्डर, फ्लिपकार्ट और कोरियर के 6 कर्मी गिरफ्तार

पुलिस ने ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों के कर्मचारियों को चाकू जैसे सामान की डिलीवरी न करने के दिए थे निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में पेट्रोल पंप के मैनेजर को मारने के लिए आरोपियों ने फ्लिपकार्ट से चाकू ऑर्डर किया था। जो ऑनलाइन इलास्ट्रीक रन कोरियर के माध्यम से पहुंचा था। अब इस मामले में पुलिस ने फ्लिपकार्ट व इलास्ट्रीक रन कोरियर कंपनी के आधा दर्जन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। निर्देश के बाद भी इनके द्वारा चाकू जैसे हथियारों की डिलीवरी की गई। मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है।

बता दें कि 16 जुलाई की रात 2 बदमाश बाइक लेकर पेट्रोल पंप पहुंचे थे। जहां उन्होंने 50 रुपए का पेट्रोल डलवाया फिर मैनेजर से पैसे छीनने लगे। जब मैनेजर ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की तो उन्होंने यही चाकू निकाला और उसके गले में मारा, जिससे उसकी मौत हो गई थी। घटना का ष्टष्टञ्जङ्क भी सामने आया है।

मोबाइल में पुलिस को मिले सबूत

पुलिस के मुताबिक, आरोपी कुनाल तिवारी (24) और समीर टंडन (22) अभनपुर के रहने वाले है। उन्होंने पूछताछ में बताया कि मर्डर के लिए चाकू ऑनलाइन फ्लिपकार्ट से ऑर्डर किया था। पुलिस का कहना हैं कि इसी चाकू से लूट, हत्या और हत्या का प्रयास जैसी गंभीर घटनाओं को अंजाम दिया गया। आरोपी कुनाल के मोबाइल की जांच पर आरोपी के मोबाइल नंबर से फ्लिप कार्ड ऑनलाइन शॉपिंग साइट से ऑनलाइन चाकू मंगवाने के सबूत मिले। इसके अलावा अन्य 2 चाकू को भी फ्लिपकार्ट के माध्यम से मंगवाना गया था।

पुलिस ने ऑनलाइन कंपनियों को दी थी हिदायत

रायपुर पुलिस ने मीटिंग और पत्राचार के माध्यम से समस्त ऑनलाइन प्लेटफार्म के मैनेजरों एवं डिस्ट्रीब्यूटरों को हिदायत थी कि ऐसा कोई भी घातक चाकू व हथियार डिलीवरी न किया जाए। जिससे मानव जीवन पर संकट उत्पन्न हो, लेकिन पुलिस ने जांच में पाया कि फ्लिपकार्ट और इलास्ट्रीक रन कोरियर के मैनेजर और कार्य करने वाले डिस्ट्रीब्यूटर व अन्य कर्मचारी ऑनलाइन पार्सल में बारकोड के माध्यम से चाकू होने की जानकारी होते हुए भी ग्राहकों को चाकू डिलवरी किया था। इस मामले में पुलिस ने धारा 125(बी), 3(5) बी.एन.एस. का अपराध दर्ज किया। इसके बाद दोनों कंपनी के आधे दर्जन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में और भी लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है।

यह हैं गिरफ्तार आरोपी

- गुलरेज अली पिता गुलेसर अली उम्र 42 वर्ष निवासी सीया रेसीडेंसी पचपेड़ी नाका रायपुर थाना टिकरापारा जिला रायपुर।
- मोहित कुमार पिता सतीश चंद उम्र 37 वर्ष निवासी ए-202 डालिलियन प्लाजा मोवा थाना पंडरी जिला रायपुर।
- अभिजीत गोस्वामी पिता अर्धेंदु गोस्वामी उम्र 37 वर्ष निवासी कृष्णा गेस्ट हाऊस नियर कृष्णा लैंड मार्क कोटा रायपुर।
- दिनेश कुमार पिता उत्तम साहू उम्र 32 वर्ष निवासी अमलेश्वर थाना अमलेश्वर जिला दुर्ग।
- हरीशंकर साहू पिता बलीराम साहू उम्र 28 वर्ष निवासी बकतरा थाना अभनपुर जिला रायपुर।
- आलोक साहू पिता सुखलांबर साहू उम्र 23 वर्ष निवासी लोधीपारा चौक के पास थाना पंडरी जिला रायपुर।

फ्लाईऐश को अवैध तरीके से निपटा रही थी कंपनी, रायगढ़ में कलेक्टर ने एनटीपीसी लारा पर लगाया 4 लाख जुर्माना

■ कार्रवाई के बाद एनटीपीसी ने तीन परिवहन एजेंसियां को किया निलंबित, छह वाहन प्रतिबंधित, प्रत्येक पर 50-50 हजार का जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में फ्लाईऐश के अवैध परिवहन और निपटान को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर संबंधित विभागों और थर्मल पॉवर प्लांटों को नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। एनटीपीसी लिमिटेड, लारा सुपर थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट के फ्लाईऐश परिवहन से जुड़ी 6 गाड़ियों द्वारा ग्राम कलमी में फ्लाईऐश के अवैध निपटान की शिकायत पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल की

टीम द्वारा जांच की गई।

जांच में इन वाहनों द्वारा नियमानुसार फ्लाईऐश को रायपुर एवं बलौदाबाजार की ओर ले जाने के बजाय अनाधिकृत रूप से स्थानीय स्थल पर निपटान करना पाया गया। इस पर मंडल द्वारा एनटीपीसी पर 4 लाख 5 हजार रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति अधिरोपित की गई। इसके पश्चात् एनटीपीसी ने भी अपने स्तर पर कार्रवाई करते हुए अवैध निपटान में लिप्त तीन परिवहन एजेंसियों को निलंबित कर दिया है।

इन एजेंसियों पर 3 लाख 70 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। वहीं 6 परिवहन वाहनों को प्रतिबंधित कर, प्रत्येक पर 50 हजार रुपये की दर से कुल 3 लाख रुपये की पेनाल्टी भी लगाई गई है। कलेक्टर चतुर्वेदी ने क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय एवं पर्यावरण विभाग को निर्देशित किया है कि वे फ्लाईऐश के परिवहन एवं निपटान की निगरानी नियमित रूप से करें एवं 'इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम' का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराएं।

इस सिलसिले में 18 जुलाई को क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी द्वारा जिले के सभी थर्मल पॉवर प्लांट्स की बैठक ली गई। बैठक में सभी प्लांटों को निर्देशित किया गया कि फ्लाईऐश का परिवहन व निपटान केवल निर्धारित नियमों के अनुसार ही करें। साथ ही चेतावनी दी गई कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित उद्योग और परिवहन एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर रायगढ़ श्री मयंक चतुर्वेदी ने कहा है कि पर्यावरणीय सुरक्षा और जनहित को ध्यान में रखते हुए ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जंगल से निकलकर बस्ती में घुसा हाथी, घर तोड़ा, भैंस को भी मार डाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक हाथी ने जमकर उत्पात मचाया। सिथरा गांव में 18 जुलाई की रात प्रहलाद राठिया के कच्चे घर की दीवार तोड़कर हाथी अंदर घुसा और गाय कोठा में बंधे भैंस पर हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। मामला छाल रेंज का है। हाथी घर में रखा एक बोरी धान भी का गया और फैला दिया। इसके बाद रात में वह वापस जंगल की ओर चले गया। सुबह वन अमला की टीम मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन करने में जुट गई है।

बताया जा रहा है हाथी जंगल से निकलकर खाने की तलाश में बस्ती तक पहुंच गया था। जहां रहने वाला ग्रामीणों को जब इसकी जानकारी हुई तो ग्रामीणों ने जमकर हल्ला किया।

वन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, जिले के जंगल में 136 हाथियों की मौजूदगी है। जिसमें धरमजयगढ़ में 88 हाथी और रायगढ़ वन मंडल में 48 हाथी हैं। इसमें सबसे अधिक हाथी बाकारूमा रेंज के तेजपुर में 25, छाल रेंज के बेहरामार में 25, कापू रेंज के कुमा बीट में 13, रायगढ़ रेंज के कांटाझरिया बीट में 16, तमनार रेंज के हिंझर में 13, घरघोड़ा रेंज के कटंगडीह में 10 के अलावा अलग-अलग बीट के जंगल में हाथियों की मौजूदगी है।

गांव में कराई गई है मुनादी

रेंजर चंद्रविजय सिदार ने बताया कि छाल रेंज के सिथरा में हाथी ने एक कच्चे मकान की दीवार को तोड़ने के साथ ही एक मवेशी को मारा है। हाथी प्रभावित सभी गांव में मुनादी कराई गई है। ग्रामीणों को सावधानी बरतने कहा गया है।

हिस्ट्रीशीटर अमित जोश के जीजा ने बीएसपी कर्मचारी पर किया तलवार से हमला, पुलिस ने निकाला जुलूस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुलिस एनकाउंटर में ढेर हो चुके हिस्ट्रीशीटर अमित जोश के जीजा ने अपने साथी के साथ सेक्टर-5 में बीएसपी कर्मी पर तलवार से हमला कर दिया। शुक्रवार रात की घटना के बाद जब मामला पुलिस के पास पहुंचा तो दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। यही नहीं शनिवार को सीन रीक्रिएट कर दोनों बदमाशों का जुलूस भी निकाला गया।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात लगभग 10:15 बजे सेक्टर-5 में यह घटना घटी। बीएसपी कर्मचारी चंद्रकांत वर्मा (35) सेक्टर-5 मार्केट में सामान लेने पहुंचे। इस दौरान दुकानें बंद हो चुकी थीं, इसलिए वे पास की पान दुकान पर खड़े थे। इस दौरान नशे में धुत दो बदमाश पहुंचे और दुकान बंद होने पर गाली गलौच करने लगे। इस दौरान बेवजह बीएसपी कर्मचारी चंद्रकांत से भिड़ गए और उस पर तलवार से हमला कर फरार हो गए।

घायल अवस्था में चंद्रकांत सेक्टर-9 अस्पताल पहुंचा और अपने दोस्त को सूचना दी। इसके बाद उसने खुद की इस घटना की जानकारी भिलाई नगर थाना प्रभारी को दी। पुलिस ने जब जांच शुरू की तो पता चला कि हमला करने वाला कोई और नहीं बल्कि हिस्ट्रीशीटर अमित जोश का जीजा लकी जॉर्ज और उसका साथी यशवंत नायडू हैं। अमित जोश की पिछले साल पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाई और दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को पुलिस ने दोनों बदमाशों का जुलूस निकाला और उसके बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

24 घंटे के भीतर सुलझी हत्या की गुत्थी, धमधा में साथी ने बोल्डर पटककर की थी हत्या, लेन-देन के विवाद में वारदात

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के धमधा थाना क्षेत्र में 17-18 जुलाई की दरमियानी रात को हुई हत्या के मामले में पुलिस को 24 घंटे के भीतर ही सफलता मिल गई। हत्या का आरोपी कोई और नहीं बल्कि झोपड़ी में साथ रहने वाला उसका साथी ही निकला। दरअसल दोनों के बीच रात में शराब पीने के बाद पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ और विवाद के बाद मामला बढ़ गया। पुल निर्माण वाली जगह पर बोल्डर पटक प हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें 18 जुलाई को प्रार्थी सोनेश्वर राणा ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। ग्राम

जाताघर्रा व कन्हारपुरी के बीच निर्माणाधीन पुल के बीचो ङ्क बीच पानी भरे हुए गड्?ढा में मजदुर मानसिंग वल्के चित अवस्था में मृत हालत में पड़ा है। सूचना मिलने पर थाना धमधा मे मर्ग कायम कर मृतक मानसिंग वल्के पिता गोरेलाल वल्के (40) ग्राम रामघडी थाना बिरसा जिला बालाघाट मध्यप्रदेश के शव का पोस्टमार्टम कराया। मर्ग जांच व पीएम रिपोर्ट में डाक्टर द्वारा किसी ठोस वस्तु से सिर पर आई चोट मृत्यु होना बताया। धमधा पुलिस ने धारा 103(1) बीएनएस का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान मृतक मानसिंह साथ उस रात झोपड़ी में रहने वाले कैलाश बिसेन पर हत्या का संदेह हुआ। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि ग्राम जाताघर्रा व कन्हारपुरी गांव के बीच कच्चे रास्ते में बन रहे पुल के पास झोपडी बनाकर रहते थे। यहां पुल बनाने का काम कर रहे थे। 17 जुलाई की रात को करीबन 7.00 बजे कैलाश बिसेन और मानसिंह के बीच शराब पीने के बाद झोपडी में पैसे के लेन-देन की बात को लेकर वाद विवाद हुआ। वादा विवाद मारपीट में बदल गया। इसके बाद कैलाश ने मानसिंह के सिर पर बोल्डर मार दिया जिससे उसकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने कैलाश बिसेन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

कोरबा में अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की हुई मौत, एक का सिर धड़ से अलग

पहला हादसा कोरबा चांपा मार्ग पर और दूसरा बांकी मोंगरा थाना क्षेत्र में

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा कोरबा-चांपा मार्ग पर हुआ, जिसमें एक अधिवक्ता की मौत हो गई। वहीं, दूसरा हादसा बांकी मोंगरा थाना इलाके में हुआ। यहां राखड़ से भरे वाहन ने एक शख्स को इतनी बुरी तरह कुचल दिया। हादसे में उसका सिर धड़ से अलग हो गया।

कोरबा-चांपा मार्ग पर ग्राम उरगा से करीब 200 मीटर आगे हुए एक

सड़क हादसे में अधिवक्ता नरेंद्र जायसवाल की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर वे सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर के ऊपर से वाहन का पहिया गुजर गया। घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, अधिवक्ता नरेंद्र जायसवाल (57) उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम अंजोरीपाली भैसमा के निवासी थे। वह हर दिन अंजोरीपाली से जिला न्यायालय कोरबा आना-जाना किया करते थे। शनिवार को भी न्यायालय में कामकाज निपटा कर रात 10 बजे घर लौट रहे थे कि रास्ते में अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए।

भारी वाहन ने मारी ठोकर

बताया जा रहा है कि मृतक अधिवक्ता बाइक पर सवार थे और तेज रफ्तार भारी वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया। जहां उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इस हादसे के बाद हड़कंप मच गया। राहगीरों ने इसकी सूचना 112 और उरगा थाना पुलिस को दी। उरगा थाना प्रभारी राजेश तिवारी ने बताया कि अज्ञात वाहन के खिलाफ मर्द कायम कर जांच की जा रही है वही सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाहन की तलाश की जा रही है।

राखड़ वाहन ने बाइक सवार को कुचला

दूसरा हादसा बांकी मोंगरा थाना इलाके में हुआ। जहां शनिवार रात को एक जहां राखड़ से भरे वाहन ने एक शख्स को इतनी बुरी तरह कुचल दिया। हादसे में उसका सिर धड़ से अलग हो गया। हादसा बांकी मोंगरा के दो नंबर दफाई राखड़ डेम के पास हुआ। ग्राम रोहिना से पहले एक अज्ञात राखड़ वाहन ने बाइक सवार व्यक्ति को कुचल दिया और मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही बांकीमोंगरा पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि राखड़ से भरी वाहन की रफ्तार काफी तेज थी और उसने बाइक सवार को सामने से टक्कर मारी।

छत्तीसगढ़ में जनविश्वास विधेयक पारितः अब मुकदमा नहीं लगेगा जुर्माना, 8 अधिनियमों के 163 प्रावधानों में हुआ संशोधन

छत्तीसगढ़ जनविश्वास विधेयक पारित करने वाला देश का दूसरा राज्य, सीएम साय बोले- विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में शुक्रवार को जनविश्वास विधेयक ध्वनिमत से पारित हुआ। यह विधेयक राज्य में ईज ऑफडूइंग बिजनेस और ईज ऑफलिविंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस ऐतिहासिक विधेयक का उद्देश्य अंग्रेजों के समय से चले आ रहे कई ऐसे कानूनों को संशोधित करना है, जो नागरिकों और कारोबारियों द्वारा की गई छोटी-मोटी त्रुटियों को भी आपराधिक कृत्य की श्रेणी में शामिल थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस विधेयक को विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाए गए भारतीय न्याय संहिता की तर्ज पर, छत्तीसगढ़ अब मध्य प्रदेश के बाद दूसरा राज्य बन गया है, जिसने जनविश्वास विधेयक पारित किया है। इस विधेयक का उद्देश्य राज्य में रोजगार व्यवसाय को आसान बनाने के साथ-साथ गैर अपराधिक श्रेणी के मामलों में व्यापारियों एवं आम नागरिकों न्यायालयीन मुकदमे से संरक्षित करना और एक सुगम व्यावसायिक एवं जिम्मेदारी पूर्ण वातावरण तैयार करना है। यह विधेयक दंड देने के बजाय व्यवसाय को दिशा देने और ऐसी नीति बनाने में सहायक है, जो व्यावहारिक और संवेदनशील हों।

व्यापार व्यवसाय में होगी आसानी

विधेयक का लक्ष्य उद्यमियों को नियामकीय सूचनाओं से संबंधित देरी के लिए आपराधिक मुकदमे के डर से मुक्ति दिलाना है। अब ऐसे मामलों में केवल प्रशासकीय जुर्माना लगेगा, जिससे व्यापार व्यवसाय में आसानी होगी। विधेयक में छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 के प्रावधान में भी संशोधन किया गया है। सार्वजनिक स्थल पर शराब के उपभोग के मामले में पहली बार सिर्फ जुर्माना और इसकी पुनरावृत्ति के मामले में जुर्माना और कारावास का प्रावधान किया गया है।

नाममात्र लगेगा आर्थिक दंड

इसी तरह नगरीय प्रशासन विभाग के अधिनियम के तहत मकान मालिक द्वारा किराया वृद्धि की सूचना नहीं दिए जाने के मामले में आपराधिक मामला दर्ज किए जाने के प्रावधान को संशोधित कर अब अधिकतम 1,000 रुपये की शास्ति का प्रावधान किया गया है। इसी तरह किसी सोसायटी द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन दाखिल करने के मामले में विलंब की स्थिति में आपराधिक कार्रवाई के प्रावधान को संशोधित कर नाममात्र के आर्थिक दंड में बदल दिया गया है। विशेषकर महिला समूहों के मामलों में इसे और भी न्यूनतम रखा गया है। यदि कोई संस्था गलती से सहकारी शब्द का उपयोग कर लेती थी, तो उसे आपराधिक मुकदमे और दंड के प्रावधान के स्थान पर अब केवल प्रशासनिक आर्थिक दंड का प्रावधान है।

छोटे अपराध अब जुर्माने की श्रेणी में

इस विधेयक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह आम नागरिकों और कारोबारियों द्वारा किए गए छोटे-मोटे तकनीकी उल्लंघनों को आपराधिक श्रेणी से हटाकर जुर्माने (शास्ति) के दायरे में लाता है। इससे अनावश्यक मुकदमेबाजी और अदालतों पर बोझ कम होगा, साथ ही नागरिकों को छोटी गलतियों के लिए आपराधिक मामलों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस विधेयक में छत्तीसगढ़ राज्य के नगरीय प्रशासन विभाग, नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, छत्तीसगढ़ औद्योगिक संबंध अधिनियम, और छत्तीसगढ़ सहकारिता सोसायटी अधिनियम से संबंधित 8 अधिनियमों के 163 प्रावधानों में बदलाव किया गया है।

फार्मास्यूटिकल इकाई का शुभारंभ प्रदेश के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण कदम, सीएम साय ने कहा-

बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं को मिलेगा रोजगार

नई औद्योगिक नीति के माध्यम से विकास और रोजगार सृजन कर रही है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर के सेक्टर-05 स्थित एस्पायर फार्मास्यूटिकल्स की नवनिर्मित इकाई का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रबंधन को शुभकामनाएं दीं और उत्पादन इकाई का भ्रमण कर दवा निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कोविड के कठिन दौर में दवाइयों की किल्लत को देखते हुए इस इकाई के निर्माण का सपना देखा गया था और आज वह साकार हुआ है।

उन्होंने कहा कि जब पूरी दुनिया कोविड के संकट से जूझ रही थी, तब भारत ने स्वदेशी वैक्सीन विकसित कर एक मिसाल कायम की। सीएम साय ने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स की इकाई का शुभारंभ प्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति निवेशकों को आकर्षित कर रही है और पिछले सात-आठ महीनों में 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से कई परियोजनाओं पर कार्य आरंभ हो चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक इकाइयों के माध्यम से अधिक से अधिक रोजगार सृजन का कार्य कर रही है और ऐसी इकाइयों को विशेष प्रोत्साहन भी दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है, और इन 25 वर्षों में जो विकास हुआ है, उसमें पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह ने न केवल प्रदेश से भूखमरी को दूर किया, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भी ठोस नींव रखी। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य गठन के समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, जबकि आज प्रदेश में 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना और मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के जरिए लोगों को निःशुल्क इलाज मिल रहा है। सीएम साय ने बताया कि पिछले डेढ़ वर्ष की अवधि में छह से अधिक विशेषज्ञ अस्पतालों के शुभारंभ का मैं साक्षी रहा हूं, जो दर्शाता है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी का मानना है कि लोग बीमार न पड़ें, निरोगी रहें, और उनकी इसी संकल्पना के अनुरूप वेलनेस सेंटर के माध्यम से लोगों को आरोग्य प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार ने 'विकसित छत्तीसगढ़ 2047' की परिकल्पना के तहत विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश की सकल राज्यीय उत्पाद (जीएसडीपी) 5 लाख करोड़ है, जिसे 2030 तक 10 लाख करोड़ और 2047 तक 75 लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, और यह प्रदेशवासियों के सहयोग से ही संभव होगा। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर एस्पायर फार्मास्यूटिकल्स का भ्रमण कर उन्नत तकनीकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह इकाई पूरी तरह ऑटोमेटेड है, जहाँ टैबलेट, सिरप, ऑइंटमेंट और क्रीम जैसे विभिन्न प्रकार की दवाइयों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस इकाई के विस्तार से बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रदेश के फार्मास्यूटिकल सेक्टर में यह एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक शुरुआत है। उन्होंने कहा कि भारत ने इस क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई है और कोविड काल के दौरान पूरी दुनिया को यह एहसास हुआ कि दवाइयों और चिकित्सा संसाधनों का क्या महत्व है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों ने भी उस दौर में भारत की फार्मा क्षमता पर विश्वास जताया। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विजन डॉक्यूमेंट जारी किया गया है, जो आने वाले वर्षों में प्रदेश को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक विकास में नवा रायपुर की केंद्रीय भूमिका है। यह क्षेत्र न केवल औद्योगिक निवेश के लिए उपयुक्त है, बल्कि सभी प्रमुख मार्गों से जुड़ाव के कारण लॉजिस्टिक्स की दृष्टि से भी अत्यंत सुविधाजनक है। डॉ. सिंह ने एस्पायर फार्मास्यूटिकल्स की टीम को इस नई शुरुआत के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह इकाई नवा रायपुर के विकास को नई गति देगी।

इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, पवन साय, विधायक गुरु खुशवंत साहेब, विधायक मोतीलाल साहू, विधायक ललित चंद्राकर, विधायक संपत अग्रवाल, विधायक अनुज शर्मा, सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, एस्पायर फार्मास्यूटिकल्स से कोमलचंद चोपड़ा, अनिल देशलहरा और उज्ज्वल दीपक सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

महारानी अहिल्याबाई होलकर का संपूर्ण जीवन समाज कल्याण के लिए रहा समर्पितः सीएम साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुण्यश्लोक लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होलकर का संपूर्ण जीवन समाज कल्याण हेतु समर्पित रहा। वह इंदौर की न केवल महारानी थीं, बल्कि न्यायप्रिय, धार्मिक एवं निष्पक्ष प्रशासक भी थीं। उन्होंने देशभर में धार्मिक स्थलों एवं मंदिरों के जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण के क्षेत्र में जो कार्य किए, वे आज भी हम सबके लिए प्रेरणादायक हैं। उक्त बातें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में विश्व मांगल्य सभा द्वारा आयोजित पुण्यश्लोक लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होलकर की जीवनी पर आधारित नाट्य मंचन समारोह में कही।

सीएम साय ने आगे कहा कि हम सभी लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती मना रहे हैं। इस अवसर पर आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पूरे देश एवं प्रदेश में उनकी स्मृति में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सुशासन, सनातन और संस्कृति के लिए समर्पित लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर आधारित यह नाट्य प्रस्तुति लोगों तक उनके महान कृतित्व को पहुंचाने में सहायक होगी। राजमाता अहिल्याबाई होलकर हमारे गौरवशाली इतिहास की महान प्रेरणापुंज हैं।

सीएम साय ने कहा कि उनके जीवन चरित्र से वर्तमान एवं भावी पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने रामराज्य की अवधारणा को साकार किया। तीन दशकों तक उन्होंने होलकर राजवंश का नेतृत्व किया। उन्होंने प्रशासन, न्याय और जनकल्याण की अनुकरणीय व्यवस्था प्रदान की। दक्षिण में कांची, उत्तर में बद्रीनाथ, पूर्व में पुरी और पश्चिम में द्वारका तक, हर स्थान पर उनके पुण्य कार्यों की छाप मिलती है। वे इंदौर की महारानी थीं, परंतु उन्होंने अपने को किसी भौगोलिक सीमा में नहीं बाँधा। देश के विभिन्न हिस्सों में उन्होंने मंदिरों का निर्माण, धर्मशालाओं की स्थापना की और धर्म की पताका सदैव लहराई।

भारत को सांस्कृतिक रूप से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका

सीएम साय ने कहा कि महारानी अहिल्याबाई ने काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कर लाखों आस्थावान हिंदुओं के सपनों को साकार किया। वे हरिद्वार से गंगाजल मंगवाकर उसे कांचीपुरम के शिव मंदिर में अर्पित करवाती थीं। उन्होंने पुरी में धर्मशाला तथा द्वारका में भी धार्मिक निर्माण कार्य करवाए।

इस अवसर पर जगदलपुर विधायक किरण देव साय ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रस्तावना विश्व मांगल्य सभा की निकिता ताई द्वारा प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण देव साय, अजय जामवाल, पवन साय सहित बड़ी संख्या में विधायक, सांसदगण, निगम-मंडल-आयोग के अध्यक्षगण, जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सनातन की ध्वजवाहिका रहीं अहिल्या बाई

वह सनातन की ध्वजवाहिका रहीं। जब महारानी अहिल्याबाई का नाम आता है तो हाथों में शिवलिंग लिए हुए उनकी तस्वीर सजीव हो उठती है। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक चेतना के प्रतीक काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कराया। जब औरंगजेब ने काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट किया, तब यह घटना हिंदू समाज के लिए अत्यंत आघातकारी थी। उस समय माता जीजाबाई ने शिवाजी महाराज से कहा था कि काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण हमारा सर्वोच्च लक्ष्य होना चाहिए। पेशवा माधवराव ने भी अपनी वसीयत में लिखा था कि उनकी इच्छा है कि काशी विश्वनाथ मंदिर फिर से बने। यह यशस्वी कार्य राजमाता अहिल्याबाई होलकर के कर-कमलों से संपन्न हुआ।

आधुनिक तकनीक से पारंगत होंगे छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अभिनव बिंद्रा ने बताया पूरा प्लान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाएं अब आकाश को छूएंगी। राज्य के खिलाड़ी प्रारंभिक स्तर से ही आधुनिक तकनीकों के माध्यम से दक्ष बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से शनिवार को उनके निवास कार्यालय में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शूटर अभिनव बिंद्रा ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री साय ने बिंद्रा से छत्तीसगढ़ में ओलंपिक वैल्यू एजुकेशन, स्पोर्ट्स इंजरी रिकवरी एवं स्पोर्ट्स साइंस डेवलपमेंट के विषय में विस्तार पूर्वक चर्चा की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिंद्रा का पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने अभिनव बिंद्रा से छत्तीसगढ़ में खेल गतिविधियों के विकास एवं खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने संबंधी योजनाओं पर गहन चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने चर्चा के दौरान कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रदेश के युवाओं में खेलों के प्रति स्वाभाविक रुचि एवं नैसर्गिक प्रतिभा है, विशेषकर आदिवासी अंचलों के युवाओं में अत्यधिक संभावनाएं हैं।

इसे लेकर अभिवन बिंद्रा ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि वे छत्तीसगढ़ में ओलंपिक वैल्यू एजुकेशन, स्पोर्ट्स इंजरी रिकवरी और स्पोर्ट्स साइंस कार्यक्रम प्रारंभ करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि राज्य की खेल प्रतिभाओं को निखारने में ये प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे। चर्चा के दौरान बिंद्रा ने बताया कि वे अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों में खिलाड़ियों को आगे लाने के लिए विविध कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं।

उन्होंने उल्लेख किया कि फाउंडेशन द्वारा खेलहित में संचालित ये कार्यक्रम निःशुल्क होते हैं, जिससे खिलाड़ियों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हो रहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में भी फाउंडेशन के माध्यम से ऐसे कार्यक्रम प्रारंभ किए जाने के सम्बन्ध में चर्चा की। बिंद्रा ने जानकारी दी कि ओलंपिक वैल्यू एजुकेशन कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के स्कूली बच्चों में ओलंपिक मूल्यों का विकास किया जाएगा। उन्हें उत्कृष्टता, सम्मान और मैत्री जैसे मूल्यों को अपनाने हेतु प्रेरित किया जाएगा, जिससे प्रारंभिक अवस्था से ही खेल प्रतिभाओं का संवर्धन संभव हो सकेगा।

मुख्यमंत्री साय को बिंद्रा ने अवगत कराया कि स्पोर्ट्स इंजरी खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी चुनौती है। स्पोर्ट्स इंजरी रिकवरी कार्यक्रम के अंतर्गत खिलाड़ियों को निःशुल्क सर्जरी, पुनर्वास एवं उपचार उपरांत देखभाल की संपूर्ण सुविधा प्रदान की जाएगी, ताकि वे स्वस्थ होकर पुनः खेल क्षेत्र में सक्रीय हो सकें। इस हेतु फाउंडेशन के साथ देश के 30 उत्कृष्ट चिकित्सकों का नेटवर्क कार्यरत है, जिसका लाभ छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को मिलेगा। मुख्यमंत्री को बिंद्रा ने बताया कि वर्तमान खेल परिदृश्य पूर्णतः विज्ञान-आधारित हो गया है। अतः वे छत्तीसगढ़ में स्पोर्ट्स साइंस कार्यक्रम प्रारंभ करना चाहते हैं, जिससे आधुनिक एवं वैज्ञानिक पद्धति से खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जा सके। नवीनतम तकनीकों की सहायता से प्रतिभाओं की पहचान वैज्ञानिक तरीके से की जा सकेगी तथा टेक्नोलॉजी के माध्यम से उनके कौशल को समुचित रूप से विकसित किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को आवश्यक सभी सुविधाएं प्रदान कर रही है। विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों के युवाओं में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि विशेष पिछड़ी जनजाति कोरवा समुदाय के युवाओं में तीरंदाजी का प्राकृतिक कौशल है। इस प्रतिभा को बढ़ावा देने हेतु रायपुर एवं जशपुर में एनटीपीसी के सहयोग से 60 करोड़ रुपये की लागत से आर्चरी अकादमी की स्थापना की जा रही है। इसी प्रकार बस्तर में आयोजित बस्तर ओलंपिक में 1.65 लाख से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया।

राज्य सरकार द्वारा ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को 3 करोड़ रुपये, रजत पदक विजेता को 2 करोड़ रुपये एवं कांस्य पदक विजेता को 1 करोड़ रुपये प्रोत्साहन राशि के रूप में देने की घोषणा की गई है। इस अवसर पर खेल मंत्री टंकराम वर्मा, छत्तीसगढ़ युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, खेल विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संचालक तनुजा सलाम, डॉ. दिगपाल राणावत सहित अन्य उपस्थित थे।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने डिण्डो में किया ग्रामीण बैंक शाखा का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने अपने बलरामपुर प्रवास के दौरान विकासखण्ड रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत डिण्डो में ग्रामीण बैंक की नई शाखा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बैंक कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

मंत्री नेताम ने इस पहल को ग्रामीण अंचल में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस शाखा के खुलने से आसपास के कई गांवों को लाभ मिलेगा। पहले ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता था, अब यह सुविधा घर के पास उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि अब स्थानीय लोग आसानी से बैंक खाते खोल सकेंगे तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की राशि सीधे प्राप्त कर सकेंगे। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि वित्तीय समावेशन को भी मजबूती मिलेगी।

मंत्री नेताम ने बैंक परिसर का अवलोकन किया एवं तीन विद्यार्थियों को प्रतीकस्वरूप पासबुक वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। साथ ही स्व-सहायता समूह की 07 महिला समूहों को 6-6 लाख कुल 42 लाख रुपये की राशि स्वरोजगार हेतु ऋण स्वरूप प्रदान की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950